जम्मू लद्दाख विज़न

आर एन आई नंबरः जेकेएचआईएन/2019/78824 | पोस्टल नंबर : एल–29/जेके.579/24-26

साप्ताहिक | वर्ष : 6 | जम्मू | अंक : 19 | सोमवार 6 मई 2024 | मूल्य : 3 रूपए | पेज : 16

वोमेध रंगमंच मंच रोवमुट भट्टा; कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी पेज 5...

क्षेत्रीय पार्टियां लोगों को जाति और धर्म के आधार पर बांट रही हैं: आजाद पेज 9...

मुख्य सचिव ने क्लस्टर विश्वविद्यालयों जम्मू, श्रीनगर के मुद्दों का आकलन किया पेज 14...

भ्रष्टाचार में लिप्त सभी लोगों को अगले पांच वर्षों में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगाः पीएम मोदी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सिसई (झारखंड)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार ने भ्रष्ट ताकतों को बेनकाब कर दिया है, और भ्रष्टाचार में लिप्त सभी लोगों को अगले पांच वर्षों में कानून के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल इंडिया के नेता भ्रष्टाचारियों के समर्थन में रैलियां निकालते हैं।

"झारखंड के पूर्व सीएम भ्रष्टाचार के आरोप में सलाखों के पीछे हैं; मोदी इस खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगले पांच वर्षों में, भ्रष्टाचार में शामिल सभी लोगों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, "उन्होंने लोहरदगा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार समीर ओरांव के लिए प्रचार करने के लिए गुमला के सिसई में एक चुनावी रैली में कहा।

पीएम ने कहा, ष्भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे इंडिया ब्लॉक के नेता भ्रष्ट लोगा. के समर्थन में आवाज उठाने के लिए दिल्ली और रांची समेत कई जगहों पर रैलियां करते हैं, जिससे उनके असली चरित्र का पता चलता है। मोदी ने आदिवासी जिलों के षपिछड़ेपनष के लिए भी कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, आरोप लगाया कि 2004 से 2014 तक यूपीए शासन के दौरान खाद्यान्न गोदामों में सड़ जाते थे, जबकि आदिवासी बच्चे भूख के कारण मर जाते थे। प्रधान मंत्री ने कहा, ष्दुनिया की कोई भी ताकत गरीबों को मुफ्त राशन वितरण नहीं रोक सकती, यह मोदी की गारंटी है।ष

मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि गरीबों को इंटरनेट तक पहुंच मिले, ष्जो कांग्रेस शासन के दौरान केवल अमीर लोगों के लिए था।

प्रधानमंत्री ने पार्टी के वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए माओवादियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की।

पीएम 14 मई को नामांकन दाखिल करेंगे

वाराणसी (यूपी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मई को वाराणसी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे, भाजपा के शहर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने रविवार को कहा।

उन्होंने कहा कि 13 मई को मोदी निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो करेंगे और इसकी तैयारी चल रही है "रोड शो के लिए मार्ग को अंतिम रूप दे दिया गया है।

14 मई को प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे।"

कांग्रेस ने वाराणसी में अपने उत्तर प्रदेश प्रमुख अजय राय और बसपा ने अतहर जमाल लारी को मैदान में उतारा है। वाराणसी में आम चुनाव के सातवें और आखिरी दौर में 1 जून को चुनाव होंगे.

उपराज्यपाल सिन्हा ने आधुनिक प्रशासनिक ढांचे को आकार देने में चंद्रगुप्त मौर्य के सुशासन की विरासत पर सेमिनार को संबोधित किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

ग़ाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज आधुनिक प्रशासनिक ढांचे को आकार देने में चंद्रगुप्त मौर्य के सुशासन की विरासतष विषय पर एक सेमिनार को संबोधित किया।

उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में समानता, समावेशिता, जवाबदेही, कानून के शासन और नागरिक भागीदारी के आदर्शों को बढ़ावा देने में मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य के उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डाला। "चंद्रगुप्त मौर्य भारत के गौरव और प्रगति के प्रतीक हैं। उन्होंने एकजुट और समृद्ध भारत का निर्माण करके राष्ट्रीय चेतना जगाई और हमारे देश को विश्व गुरु के पद पर आसीन होने के लिए मंच तैयार किया, "उपराज्यपाल ने कहा।

उन्होंने कहा कि अखंड भारत के निर्माता और आदर्श सम्राट के रूप में प्रसिद्ध चंद्रगुप्त मौर्य की शासन प्रणाली ने आधुनिक नागरिक केंद्रित प्रशासन के विकास को प्रभावित किया जिसमें लोगों का कल्याण और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग का सशक्तिकरण

■ शेष पेज 2...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिर सरकार देकर भारत का वैश्विक कद बढ़ायाः डॉ. जितेंद्र

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कोलकाता, 4 मई रूभाषारू केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिर सरकार देकर भारत का वैश्विक कद बढ़ाया है और यही कारण है कि आज दुनिया के सभी अग्रणी देश भारत के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि पिछले 10 वर्षों में प्रधान मंत्री मोदी द्वारा प्रदान की गई अपनी प्रगतिशील और भविष्यवादी नीति में निरंतरता का।

इस महीने की 20 तारीख को पश्चिम बंगाल की सात सीटों पर होने वाले पां. चवें चरण के चुनाव के लिए व्यस्त चुनाव प्रचार के बीच मीडिया से बात. चीत में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी के आने से पहले, भारत में दशकों से केंद्र में अस्थिरता के दौर से गुजरे। उन्होंने कहा, 2014 से पहले की अधिकांश सरकारें या तो अल्पकालिक थीं या उनका नेतृत्व गैर–समान समूहों ने किया था, जिसके परिणामस्वरूप अनिर्णय और दृढ़ रुख की कमी हुई, जिसका परिणाम यह हुआ कि दुनिया के अधिकांश देशों को या तो नीचा देखना पड़ा। वे भारत को एक नाजुक राष्ट्र मानते थे या अपनी स्थिरता की अनिश्चितता के कारण केंद्र में तत्कालीन सरकारों के साथ जुड़ने में अनिच्छुक थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सार्वजनिक रैलियों में उनके संबोधन को याद करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पीएम मोदी ने यह कहना सही था कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, भले ही ऐसा होने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है, फिर भी वे

■ शेष पेज 2...

डुल्लू ने स्मार्ट सिटी कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए श्रीनगर का दौरा किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज श्रीनगर शहर का दौरा किया और वहां चल रहे कई स्मार्ट सिटी कार्यों के कार्यान्वयन की प्रगति का मौके पर मूल्यांकन किया।

संभागीय आयुक्त कश्मीर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड (एसएससीएल), उपायुक्त श्रीनगर, एसएसपी श्रीनगर, एसपी सिटी ट्रैफिक, वीसी एलसीएमए, एमडी केपीडीसीएल के अलावा नागरिक और पुलिस प्रशासन के अन्य संबंधित अधिकारी मुख्य सचिव के साथ थे। डुल्लू ने शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में कई स्थानों का दौरा किया, जिसमें बुलेवार्ड रोड और वर्तमान में एसएससीएल द्वारा अपग्रेड किए जा रहे मुगल गार्डन परिसर भी शामिल हैं।

■ शेष पेज 2...

शेष पेज १ से.....

उपराज्यपाल सिन्हा ने...

सर्वोपरि था।

चन्द्रगुप्त मौर्य ने समावेशी विकास एवं जनकल्याण की नई आर्थिक नीतियों को शासन व्यवस्था के केन्द्र में रखा। समानता और सामाजिक न्याय के अंतिम लक्ष्य के साथ उन्होंने संस्थाओं को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया। उपराज्यपाल ने कहा, 8 मुख्य विभागों की मदद से उन्होंने एक समृद्ध देश का निर्माण किया और नागरिकों से अपेक्षा की गई कि वे सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से अपने अंतर्निहित कर्तव्यों का पालन करें।

उपराज्यपाल ने चंद्रगुप्त मौर्य की शासन व्यवस्था पर चाणक्य के विचार भी साझा किये।

चाणक्य ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि चंद्रगुप्त मौर्य के शासन के दौरान नागरिकों की खुशी सर्वोच्च थी। उपराज्यपाल ने कहा, उन्होंने खुद को जन कल्याण के लिए समर्पित कर दिया और नीतियां सार्वजनिक संवाद और आम सहमति के आधार पर बनाई गईं।

उन्होंने आगे कहा, बुनियादी ढांचे के विकास के अलावा, चंद्रगुप्त मौर्य ने शिक्षा पर जोर दिया और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के लिए कला और आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विकास पर विशेष ध्यान दिया।

कुश स्मारक बालिका विद्यालय, दिलदारनगर, गाज़ीपुर में उपराज्यपाल ने मेधावी छात्रा सम्मान से सम्मानित छात्रों को भी सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से भारत की विकास यात्रा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी...

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में निर्णय लेने में असमर्थ हो जाएंगे और वस्तुतः हर साल एक नए उम्मीदवार के प्रधानमंत्री पद संभालने के साथ एक चक्रीय प्रधानमंत्री की स्थिति समाप्त हो सकती है। ऐसी स्थिति में, यदि पांच साल का कार्यकाल पांच प्रधानमंत्रियों के साथ चिह्नित किया जाता है, तो यह न केवल भारत के विकास को कई दशकों पीछे ले जाएगा, बल्कि असंगत नेतृत्व के कारण दुनिया भर के सभी देश भारत से दूर हो जाएंगे। केंद्र, उन्होंने कहा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में एक स्थिर, दृढ़ और निर्णायक सरकार के कारण था, कि भारतीय अर्थव्यवस्था ब्रिटेन को पछाड़कर 11वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गई और कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गई। दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं के रूप में।

मंत्री ने कहा, जहां पीएम मोदी का तीसरा कार्यकाल भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गवाह बनेगा, वहीं दुनिया भी वैश्विक आर्थिक विकास और प्रगति के लिए मोदी के नेतृत्व में भारत की ओर देख रही है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत के लोगों को पहली बार विश्व क्षेत्र में सम्मान की भावना का एहसास हुआ है जो दुनिया भर में दिखाई दे रही है और इसलिए, वे तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को वापस करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, पिछले दो कार्यकाल के अनुभव ने उन्हें ष्मोदी की गारंटीष में विश्वास और भरोसा दिया है।

डुल्लू ने स्मार्ट सिटी...

उन्होंने अब तक पूर्ण किये गये कार्यों के अनुपात की समीक्षा की, साथ ही शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि शहर के सबसे व्यस्त हिस्सों में किए जा रहे इन कार्यों को कम से कम समय सीमा में पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गुणवत्ता और समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए एसएससीएल के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा इन कार्यों की कड़ी निगरानी पर जोर दिया। उन्होंने इनमें से प्रत्येक चल रहे कार्य की उपयोगिता और शहर के पर्यटन और सामाजिक पहलुओं पर उनके प्रभाव के बारे में पूछा।

मुख्य सचिव ने जिन प्रमुख परियोजनाओं का दौरा किया उनमें निशात सथू के साथ पैदल यात्री वॉकवे और साइकिल ट्रैक का विकास, उत्तरी फोरशोर रोड के साथ डल लेकफ्रंट का विकास, शालीमार नहर का सुधार और उन्नयन, निशात बाग परिक्षेत्र का सुधार और उन्नयन, जहांगीर चौक जंक्शन का उन्नयन शामिल है। और प्रताप पार्क में बलिदान स्तंभ का निर्माण। निशात सथू में, सीईओ एसएससीएल, ओवैस अहमद ने मुख्य सचिव को सूचित किया कि यह 2 किमी लंबा पैदल मार्ग और साइकिलिंग कॉरिडोर है जिसमें गज़ेबो के साथ प्लाजा और झील के पानी की ओर बैठने की सीढ़ियाँ हैं, इसके अलावा एक साइकिल डॉकिंग स्टेशन और सुधार के साथ क्षेत्र में उपयोगिता युक्तिकरण है। जल निकासी व्यवस्था में. नॉर्दर्न फोरशोर रोड के साथ लेकफ्रंट का दौरा करते समय, डुल्लू को बताया गया कि इस परियोजना में 5.10 किमी लंबे समर्पित दो-तरफा साइकिल ट्रैक की सुविधा है, जिसमें व्यापक पैदल यात्री पैदल मार्ग, विशेष रूप से विकलांगों के लिए स्पर्शनीय फर्श, सार्वभौमिक पहुंच के लिए कर्ब रैंप, बैठने की जगह और उच्च गुणवत्ता वाले बोलार्ड हैं। आगंतुकों के लिए रोशनी के अलावा अन्य अनूठी सुविधाओं का काम मई, 2024 में पूरा होने की संभावना है। शालीमार नहर पर, सीएस को सूचित किया गया कि लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और परियोजना जून के महीने में सौंपने की उम्मीद है। . इसमें कहा गया है कि परियोजना कार्य में शालीमार बाग के अग्रभाग में सुधार, आगंतुक सुविधाओं, नहर के किनारों में सुधार, नहर के किनारे बैठने की व्यवस्था और प्लांटर्स, पैदल यात्रियों के लिए लकड़ी के मेहराबदार पुल, फोरशोर रोड के पास कैफेटेरिया और रेस्तरां, डल में व्यूइंग टावर के साथ नया आगंतुक क्षेत्र शामिल है। अन्य सुविधाओं के अलावा झील. मुख्य सचिव ने निशात बाग परिसर का भी दौरा किया, जिसके बारे में कहा गया था कि यह 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है और इस साल जून तक इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए सौंप दिए जाने की संभावना है। जहांगीर चौक जंक्शन सुधार स्थल पर बताया गया कि परियोजना पर अब तक 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और जून की समय सीमा के भीतर ही पूरा करने की तैयारी है।

मुख्य सचिव को शहर के प्रताप पार्क के अंदर बनाए जा रहे बलिदान स्तंभ के दौरे के दौरान बताया गया कि परियोजना पर 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अधिक. इश भूमिगत विद्युतीकरण कार्य निष्पादन एजेंसी द्वारा पहले ही शुरू कर दिए गए हैं। उन्हें बताया गया कि इस परियोजना में शांति और स्मृति के प्रतीक के रूप में मोमबत्ती की मूर्तियां, स्मारकीय केंद्रीय स्तंभ और शहीदों के नाम प्रदर्शित करने के लिए दोनों तरफ एलईडी स्क्रीन के साथ पट्टिका का निर्माण शामिल है।

इस परियोजना के इस साल जून तक पूरा होने की संभावना है, जिसमें अन्य परिकल्पित कार्यों के अलावा सौंदर्यीकरण के लिए एम्फीथिएटर सीढ़ियों को बढ़ाने, पार्क विकास और जगह बनाने के अलावा विद्युत प्रकाश व्यवस्था और बागवानी कार्यों जैसी उपयोगिताओं का निर्माण भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर योजना और वित्त अधिकारियों के लिए पीएफएमएस प्रशिक्षण आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर वित्त विभाग ने आज वित्त मंत्रालय पीएफएमएस डिवीजन नई दिल्ली और एसडी पीएफएमएस जेएंडके के सहयोग से नागरिक सचिवालय श्रीनगर में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

दिल्ली और जम्मू-कश्मीर दोनों के पीएफएमएस विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के नेतृत्व में, कार्यक्रम में विभिन्न पीएफएमएस मॉड्यूलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें एकल नोडल एजेंसी (एसएनए), प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की रिपोर्ट तैयार करना शामिल था।

विभिन्न विभागों के योजना और वित्त अधिकारियों और सभी 20 जिलों के मुख्य योजना/जिला सांख्यिकी और मूल्यांकन अधिकारियों सहित 120 से अधिक प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों जैसे पीएफएमएस पोर्टल पर राज्य से जुड़ी योजनाओं को शामिल करना, बाल एजेंसियों का निर्माण, विक्रेता प्रबंधन और लाभार्थी भुगतान के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के मुख्य आकर्षण में ड्राइंग सीमाएँ निर्धारित करने, पदानुक्रम मानचित्रण और प्रभावी रिपोर्ट उपयोग पर चर्चा शामिल थी।

सुव्यवस्थित वित्तीय संचालन और सटीक रिपोर्टिंग के लिए पीएफएमएस को अनुकूलित करने पर जोर दिया गया।

निदेशक व्यय मदन गोपाल शर्मा, महानिदेशक बजट, याकूब इटू और राज्य नोडल अधिकारी, शकील मकबूल द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किए गए दो दिवसीय प्रशिक्षण ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कुशल वित्तीय प्रबंधन के लिए पीएफएमएस के उपयोग के महत्व पर जोर दिया।

प्रतिभागियों को सटीक रिपोर्टिंग और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मंच का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और 3 मई 2024 को आयोजित होने वाले प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में नई दिल्ली से आए विशेषज्ञों से पीएफएमएस के बारे में अपने सभी संदेह दूर कर लें। यह प्रशिक्षण वित्तीय प्रबंधन और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की निगरानी के लिए पीएफएमएस प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने में जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारियों के ज्ञान को समृद्ध करेगा, जिससे हमारी आबादी के एक बड़े हिस्से को लाभ होता है।

रामबन में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, 11 घायल

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मूः अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक वाहन और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और ग्यारह अन्य घायल हो गए।

यह दुर्घटना बुधवार देर रात हुई जब जम्मू से श्रीनगर जा रहा एक टेम्पो ट्रैवलर बनिहाल के शबनबास इलाके में विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक से टकरा गया। अधिका. रियों ने बताया कि टेम्पो ट्रैवलर में केरल के 12 पर्यटकों सहित 16 यात्री सवार थे।

डीएसईके ने श्रीनगर के स्कूलों के समय में परिवर्तन का आदेश दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः स्कूल शिक्षा निदेशालय कश्मीर (डीएसईके) ने गुरुवार को श्रीनगर शहर में स्कूल का समय 06 मई से सुबह 08रू30 बजे से दोपहर 02रू30 बजे तक बदलने का आदेश दिया।

डीएसईके ने कहा, ष्सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी गई मंजूरी के परिणामस्वरूप, श्रीनगर शहर की नगरपालिका सीमा के भीतर सभी सरकारी और निजी मान्यता प्राप्त स्कूल 06.05.2024 से तत्काल प्रभाव से सुबह 08:30 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक स्कूल का समय मानेंगे।

लोकसभा चुनाव 2024

डीसी गांदरबल ने बदरकुंड में स्वीप के तहत मेगा वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गांदरबलः गांदरबल के उपायुक्त (डीसी) श्यामबीर ने गुरुवार को गांद. रबल के तारा गली, बदरकुंड क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण अभियान के उद्घाटन का नेतृत्व किया।

यह वृक्षारोपण पहल मिशन 50,000 के तहत एनएलसीओ के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित की गई थी, जो व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है।

इस कार्यक्रम में एसीडी गांदरबल, डॉ. बशीर अहमद सहित विभिन्न हितधारकों की उत्साही भागीदारी देखी गई; डीएफओ सिंध वन प्रभाग गांदरबल, दानिश खान; सीपीओ, शाहनवाज खान; एनएलसीओ के अध्यक्ष, मंजूर अहमद वांग्नू; डीएफओ सामाजिक वानिकी गांदरबल, डीआईओ गांदरबल, विविध शैक्षणिक संस्थानों के छात्र और स्थानीय निवासी। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, डीसी ने इस हरित पहल के लिए सभी संबंधितों की सराहना की और कहा कि हमने एक पौधा एक वोट का नारा भी हासिल किया है, और अब तक जिले में दो लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से उसी उत्साह के साथ वोट डालने की अपील की, जैसा वृक्षारोपण अभियान के दौरान दिखाया गया था।

इस अवसर पर डीसी ने इलाके में वसंत ऋतु को फिर से जीवंत करने के लिए एनएलसीओ की भी सराहना की। डीसी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए लगाए गए पौधों की सुरक्षा और पोषण में समुदाय के सहयोग का भी आग्रह किया।

मेगा वृक्षारोपण अभियान पर्यावरणीय स्थिरता और नागरिक जुड़ाव के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो एक हरित और अधिक भागीदारी वाले भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएस ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए ऋण से जुड़ी योजनाओं की समग्र दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः कृषि विकास के लिए आवंटित संसाधनों के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज क्षेत्र भर के किसानों के लाभ के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, चुनौतियों का समाधान करने और ऋण से जुड़ी योजनाओं की समग्र दक्षता बढ़ाने की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की ऋण–लिंक्ड योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों से उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने का आह्वान किया।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर में किसानों का कल्याण सुनिश्चित करने और कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और कृषि उत्पादन विभाग, अग्रणी बैंक तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, तथा उपलब्ध संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से किसानों के लिए सहायता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कृषि उत्पादन विभाग के प्रधान सचिव शैलेन्द्र कुमार ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई वर्तमान ऋण–लिंक्ड योजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना की पेचीदगियों को समझने पर जोर दिया गया, खास तौर पर भूमि बीजारोपण पर निर्भरता के बारे में, और इससे जुड़ी किसी भी देरी को कम करने के उपायों की रूपरेखा तैयार की गई। विचार–विमर्श में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कार्यक्रम की स्थिति, स्वीकृत राशि और कुल बकाया राशि सहित, चालू वित्त वर्ष में नए केसीसी जारी करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) के संबंध में पिछले तीन महीनों में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया, साथ ही पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ), पीएमएफएमई, एचडीपी, आरजीएम, राष्ट्रीय पशुधन मिशन और अन्य प्रासंगिक योजनाओं पर चर्चा की गई।

डीएसईके ने श्रीनगर के स्कूलों के समय में परिवर्तन का आदेश दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः स्कूल शिक्षा निदेशालय कश्मीर (डीएसईके) ने गुरुवार को श्रीनगर शहर में स्कूल का समय 06 मई से सुबह 08:30 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक बदलने का आदेश दिया। डीएसईके ने कहा, ष्सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी गई मंजूरी के परिणामस्वरूप, श्रीनगर शहर की नगरपालिका सीमा के भीतर सभी सरकारी और निजी मान्यता प्राप्त स्कूल 06.05.2024 से तत्काल प्रभाव से सुबह 08रू30 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक स्कूल का समय मानेंगे।

प्रवर्तन अभियान गुलमर्ग में यातायात उल्लंघन को लक्षित करता है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूलाः यातायात उल्लंघनों को संबोधित करने और आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, सीईओ गुलमर्ग, वसीम राजा और एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, कश्मीर रविंदर पाल सिंह ने मोटर वाहन विभाग, यातायात विभाग, नगर पालिका और पुलिस के साथ एक प्रवर्तन अभियान चलाने के लिए एक संयुक्त पहल की। गुलमर्ग और तंगमर्ग में, आज। पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों की सुविधा के लिए ओवरचार्जिंग और अवैध पार्किंग पर अंकुश लगाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रवर्तन अभियान में कई वाहनों का निरीक्षण किया गया। गलत पार्किंग और अन्य यातायात उल्लंघनों के दोषी पाए गए अपराधियों को कुल 45,000 रुपये का पर्याप्त जुर्माना जारी किया गया। सीईओ गुलमर्ग और एसएसपी ट्रैफिक ने इस बात पर जोर दिया कि आज का अभियान ओवरचार्जिंग, अवैध पार्किंग, यातायात प्रवाह प्रबंधन और पैदल यात्री सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

एनआईटी श्रीनगर ने दुखद सड़क दुर्घटना में एमईडी छात्र की अचानक मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने गुरुवार को बरसात के दिन एक दुखद सड़क दुर्घटना में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र विपुल त्यागी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले विपुल, 2022 बैच (ठडम्ब्भ115) के चौथे सेमेस्टर के छात्र, 28 मार्च को फोरशोर रोड के पास एक दुर्घटना का शिकार हो गए। मृतक ने कई दिनों तक ‟झप्डै सौरा में अपने जीवन के लिए संघर्ष किया लेकिन दुर्भाग्य से बुधवार को वह अपनी लड़ाई हार गया।

निदेशक प्रो. ए. रविंदर नाथ के नेतृत्व में शिक्षण, गैर–शिक्षण कर्मचारी, छात्र और विद्वान सहित पूरा एनआईटी श्रीनगर समुदाय एक शोक सभा के लिए फाउंटेन पार्क में एकत्र हुआ। दो मिनट का मौन रखा गया और दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना की गई। निर्देशक ने विपुल त्यागी के निधन को असामयिक और दुखद बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा के लिए शांति और दया की प्रार्थना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और प्रार्थना की कि उन्हें इस नुकसान से निपटने के लिए शक्ति और धैर्य मिले।

प्रोफेसर नाथ ने कहा, ष्इस कठिन समय के दौरान, परिवार को गहन दुख से उबरने के लिए आवश्यक शक्ति और लचीलापन मिले। एनआईटी श्रीनगर इस दुख की घड़ी में उनके साथ एकजुट है।ष

ष्हम सभी संविधान द्वारा हमें दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत हैं। जबकि हम अक्सर अपने अधिकारों का दावा करते हैं, हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भी याद रखना चाहिए। जब छात्र घर से दूर होते हैं, तो उन्हें अधिक सतर्क रहना चाहिए और स्थानीय सलाह का पालन करना चाहिए आइए हम सभी इस दुखद घटना से सीखें और आत्म–अनुशासन विकसित करें। उनकी क्षति संस्थान के लिए एक अपूरणीय क्षति है।ष

संस्थान के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अतीकुर रहमान ने अपने संदेश में गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत विपुल त्यागी के परिवार और दोस्तों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने उल्लेख किया कि विपुल का पिछले चार दिनों से एसकेआईएमएस सौरा में इलाज चल रहा था और एनआईटी श्रीनगर प्रशासन ने परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की थी, इस बात पर जोर देते हुए कि उनका निधन एक सामूहिक क्षति है।

प्रोफेसर रहमान ने कहा, ष्विपुल की अनुपस्थिति एनआईटी श्रीनगर में हम सभी को गहराई से महसूस हो रही है। हम उनके परिवार और दोस्तों को अपना समर्थन देते हैं, दुख की इस चुनौतीपूर्ण अवधि से उबरने के लिए उन्हें शक्ति और सांत्वना देते हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।ष

. हेड एमईडी, प्रो. अदनान कयाम ने हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि पूरा एमई विभाग और विपल त्यागी के सहपाठी इस नुकसान से बेहद दुखी हैं और इस चुनौतीपूर्ण समय में परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

ष्विपल त्यागी एक अच्छे स्वभाव वाले और बेहद अनुशासित छात्र थे।

वह पढ़ाई में अच्छे थे और उनका अचानक चले जाना एक बड़ा खालीपन छोड़ गया है। हमारी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं, और हम उनकी आत्मा की शांति और सांत्वना के लिए प्रार्थना करते हैं।

उनके परिवार को इस कठिन समय से उबरने की शक्ति और धैर्य मिले,श्श उन्होंने कहा। इस अवसर पर, पूर्व छात्र और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के डीन, प्रो. नज़ीर अहमद शेख, अकादमिक मामलों के डीन, डॉ. मोहम्मद शफी मीर और अन्य संकाय सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ष्एनआईटी श्रीनगर के छात्र भी इस कठिन समय में उनके परिवारों का समर्थन करने के लिए एकजुट हुए और हर संभव तरीके से अपना पूरा समर्थन दिया।

डीसी उधमपुर ने वार्षिक शिव पार्वती मोंगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

उधमपुरः सर डब्बर में 14 मई, 2024 से शुरू होने वाले तीन दिवसीय ऐतिहासिक वार्षिक शिव–पार्वती तीर्थ (मौंगरी) मेले के सुचारू संचालन की व्यवस्थाओं पर आज यहां जिला अधिकारियों के अलावा भगवान शिव–पार्वती गुफा मंदिर मौंगरी की प्रबंधन समिति के प्रतिनिधियों की एक बैठक में चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सलोनी राय ने यहां डीसी कार्यालय परिसर के कांफ्रेंस हॉल में की।

मेले के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई, जैसे सड़क का रखरखाव, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन सुविधा, पेयजल और बिजली आपूर्ति, बाजार दर की जांच, अग्निशमन गाड़ियों की तैनाती, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल गतिविधियां आदि।

डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने विभागों से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पहले से ही प्रभावी तरीके से सुनिश्चित कर लें,

ताकि किसी भी तरफ से कोई शिकायत की गुंजाइश न रहे। कार्यकारी अभियंता पीएचई को मेला स्थल पर पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, जबकि एक्सईएन पीडीडी को मेले के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के निर्देश दिए गए। अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई और पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए गए कि वे समय पर गड्ढों को भरकर सड़क की मरम्मत का काम पूरा करें। यह निर्णय लिया गया कि जिला पुलिस मेले के दिनों में पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करेगी, जबकि एआरटीओ को विभिन्न स्थानों से पर्याप्त संख्या में बसें तैनात करने के लिए कहा गया। मेला स्थल पर चिकित्सा सुविधाओं के प्रावधान के बारे में डीसी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को डॉक्टरों की एक टीम और एक एम्बुलेंस तैनात करने का निर्देश दिया। यह भी निर्णय लिया गया कि युवा सेवा एवं खेल विभाग, शिक्षा विभाग के साथ समन्वय करके, कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम आयोजित करेगा।

जेएंडके इंडियन स्टाइल कुश्ती एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं शिव पार्वती गुफा तीर्थ मुंगरी विकास बोर्ड के संरक्षक शिव कुमार शर्मा ने बैठक में बताया कि मेले के अंतिम दिन कुश्ती प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जो तीन दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण है।

रामबन में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, 11 घायल

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मूः अधिकारियों ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक वाहन और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और ग्यारह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना बुधवार देर रात हुई जब जम्मू से श्रीनगर जा रहा एक टेम्पो ट्रैवलर बनिहाल के शबनबास इलाके में विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक से टकरा गया।

अधिकारियों ने बताया कि टेम्पो ट्रैवलर में केरल के 12 पर्यटकों सहित 16 यात्री सवार थे।

अधिकारियों के अनुसार, एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ग्यारह अन्य मामूली रूप से घायल हो गए।

पुंछ के शहीद को नमन, राहुल गांधी, प्रियंका, सीएम हिमंत समेत इन नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और चार अन्य सैनिक घायल हो गए. बता दें कि अनंतनाग–राजौरी लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को मतदान के पहले यह घटना हुई है. वहीं इस घटना पर राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दुख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि जम्मू कश्मीर के पुंछ में हमारी सेना के काफिले पर कायराना और दुस्साहसी आतंकी हमला बहुत ही शर्मनाक है, दुखद है. शहीद जवान को मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके शोकसंतप्त परिजनों को संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. साथ ही उन्होंने लिखा कि हमले में घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं.

सेना के काफिले पर हमला कायराना हरकत

वहीं प्रियंका गांधी ने भी दुख जताते हुए पोस्ट किया कि सेना के काफिले पर आतंकी हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, शर्मनाक एवं कायराना हरकत है. सभ्य समाज में हिंसा और आतंक की कोई जगह नहीं हो सकती. ऐसे कृत्यों की जितने कठोर शब्दों में निंदा की जाए, कम है. शहीद जवान को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि और शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं. घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं.

आतंकवाद के खिलाफ देश के साथ

वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय वायुसेना के वाहन पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले से बहुत दुखी हूं. हम इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ देश के साथ खड़े हैं. उन्होंने कहा कि सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर वायु योद्धा के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं. हम आशा करते हैं कि घायल वायु योद्धा जल्द से जल्द ठीक हो जाएं और ईमानदारी से उनकी भलाई के लिए प्रार्थना करें. भारत अपने सैनिकों के लिए एकजुट है.

वायु सेना के काफिले पर हमला

वहीं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पुंछ से अत्यंत दुखद खबर आ रही है, आतंकियों ने वायु सेना के काफ़िले पर हमला किया है. इस हमले में भारत माता के कई वीर जवान घायल हुए और एक जवान शहीद हुआ है. यह आतंकियों का बेहद घटिया, शर्मनाक और कायराना कृत्य है. उन्होंने ईश्वर से घायल जवानों के जल्दी स्वस्थ करने की प्रार्थना की. साथ ही उन्होंने लिखा कि मां भारती पर जान न्योछावर करने वाले वीर सपूत को भावभीनी श्रद्धांजलि, इस दुख की घड़ी में हम सभी उनके परिजनों के साथ हैं.

साथ ही आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ये हमला आतंकियों का बेहद घटिया, शर्मनाक और कायरना कृत्य है. ईश्वर से प्रार्थना है कि हमारे घायल जवान जल्दी स्वस्थ हों. शहीद जवान को श्रद्धांजलि, हम सभी उनके परिवार के साथ खड़े हैं.

कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा

वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि मैं इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करता हूं. उन्होंने शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की.

जम्मू रेड क्रॉस सोसाइटी ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जिला रेड क्रॉस सोसाइटी ने अपने अध्यक्ष के रूप में उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य के नेतृत्व में आज यहां शिक्षक भवन में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

छात्रों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण होने वाली सामाजिक और व्यक्तिगत हानियों पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त सचिन कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के स्थान पर खेलकूद व अन्य लाभकारी गतिविधियों के साथ स्वस्थ व सक्रिय जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया।

परामर्श सत्र का नेतृत्व करते हुए, नशा निवारण की नोडल अधिकारी शिफाली गुप्ता ने विद्यार्थियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जाल में फंसने से बचने के तरीकों के बारे में शिक्षित किया।

एडीसी अनसूया जम्वाल, जो जिला रेडक्रॉस सोसायटी की कार्यकारी सचिव भी हैं, ने बताया कि सोसायटी द्वारा 25 अप्रैल से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका समापन विश्व रेडक्रॉस दिवस (8 मई) को होगा।

जीएमसी जम्मू के मनोचिकित्सा रजिस्ट्रार डॉ. प्रीति कौर, एसएचओ छन्नी हिम्मत इंस्पेक्टर सादिक और टीम मशवारा के संसाधन व्यक्तियों ने भी छात्रों को कुछ महत्वपूर्ण सबक दिए।

जीसीडब्ल्यू परेड में एथनो वनस्पति विज्ञान में प्रगति पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन परेड ग्राउंड के वनस्पति विज्ञान विभाग ने आज यहां छात्रों के लिए एथनो बॉटनी में प्रगति पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डॉ. रवेंद्र कुमार टिक्कू के मार्गदर्शन एवं देखरेख में किया गया। कार्यक्रम के वक्ता, डॉ. मोहम्मद अशाक मलिक, सहायक प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान जीसीडब्ल्यू थन्ना मंडी, ने छात्रों को नृवंशविज्ञान अध्ययन की प्रासंगिकता और विज्ञान की इस शाखा में हाल की प्रगति के बारे में जागरूक किया। छात्रों को एथनोबोटनी के विभिन्न पहलुओं, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और एथनोबोटनी चुनौतियों और इसके अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी गई।

व्याख्यान में वर्तमान वैश्विक संकट से निपटने में एथनोबोटनी कैसे मदद कर सकती है, एजेंडा 2023 के अनुसार सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में एथनोबोटनी के निहितार्थ पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में लगभग 50 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रोफेसर ताहिरा फिरदौस (एचओडी वनस्पति विज्ञान) द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर बिंदु कुमारी ने किया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर सुखविंदर कौर द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

किश्तवाड़ के युवाओं का समूह संकल्प योजना के तहत पहलगाम में बेसिक पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए रवाना हुआ

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

किश्तवाड़: किश्तवाड़ जिले के 10 युवाओं का एक दल आज अनंतनाग के पहलगाम स्थित जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान में निशुल्क बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा पर रवाना हुआ। संकल्प योजना के तहत उपायुक्त डॉ. देवांश यादव के नेतृत्व में जिला प्रशासन किश्तवाड़ द्वारा युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को आवश्यक पर्वतारोहण कौशल से सशक्त बनाना तथा स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है।

अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) पवन कोतवाल ने डीसी कार्यालय परिसर से युवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सफल और समृद्ध प्रशिक्षण अनुभव के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने पर, युवाओं को आवश्यक पर्वतारोहण कौशल से लैस किया जाएगा, जो न केवल उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ाएगा बल्कि जिले के भीतर और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के साथ–साथ अन्य राज्यों में स्वरोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। भारत के कुछ हिस्सों में, उनके अर्जित कौशल और क्षमताओं के आधार पर।

युवाओं ने अपनी क्षमता के पोषण और कौशल विकास को बढ़ावा देने में इस तरह की पहल के महत्व को पहचानते हुए, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत के दौरान, एडीसी किश्तवाड़ ने अपने करियर को अगले स्तर तक ले जाने के लिए कौशल हासिल करने और निखारने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तरह से शामिल होने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बेसिक पर्वतारोहण पाठ्यक्रम से युवाओं को पर्वतारोहण तकनीकों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और बाहरी अस्तित्व कौशल की व्यापक समझ प्रदान करने, उन्हें साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण के क्षेत्र में भविष्य के प्रयासों के लिए तैयार करने की उम्मीद है।

सुबह 6 बजे राहुल गांधी के घर गया... अभिषेक बनर्जी ने बताया आखिर क्यों नहीं हो पाया कांग्रेस-टीएमसी का गठबंधन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बताया है कि आखिर बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस के बीच अलायंस क्यों नहीं हुआ? अभिषेक ने कहा कि उनकी पार्टी (टीएमसी) बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन चाहती थी.

मगर लंबे समय तक कांग्रेस की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई. पार्टी सीट शेयरिंग के मुद्दे पर उलझ गई. इस कारण से हमारा गठबंधन नहीं हो पाया.

डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी उम्मीदवार छक्के। ब्लॉक के सच्चे प्रतिनिधि हैं. वहीं, गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा, अगर मैं गंभीर नहीं होता तो मैं सुबह 6 बजे दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर नहीं जाता. हम पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहते थे. हमने कांग्रेस को दिसंबर तक का दिया था समय

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी की आलोचना के बावजूद हमने महीनों तक इंतजार किया.

हमारी पार्टी ने लंबे समय तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. उन्होंने कहा, हमने कांग्रेस को दिसंबर तक का समय दिया था, लेकिन हम ज्यादा वक्त तक इंतजार नहीं कर सकते थे क्योंकि हमें भी तैयारी करनी थी.

31 दिसंबर 2023 तक सीएम ममता बनर्जी सहित हमारी पार्टी के एक भी प्रवक्ता ने अधीर रंजन चौधरी के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. सीट बंटवारे के मसले पर हमारी बातचीत विफल रही.

इस वजह से नहीं हो पाया टीएमसी–कांग्रेस का गठबंधन

बता दें कि टीएमसी बंगाल में कांग्रेस को केवर 2 सीट देना चाहती थी मगर कांग्रेस इससे ज्यादा सीटें मांग रही थी. इसी बात को लेकर काफी दिनों तक जद्दोजहद चलती रही. टीएमसी ने कांग्रेस को 31 दिसंबर 2023 तक सीट शेयरिंग के मुद्दे को सुलझाने को कहा था. मगर इस डेडलाइन तक भी दोनों दलों के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई. इस तरह बंगाल में जड़ब और कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो पाया.

लोकसभा चुनाव 2024: आर एंड आर आयुक्त ने विशेष मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

उधमपुरः राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (एम) डॉ. अरविंद करवानी ने आज उधमपुर में स्थापित विशेष मतदान केंद्र में कश्मीरी प्रवासियों के लिए किए जा रहे मतदान प्रबंधों की समीक्षा की।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी माइग्रेंट्स, उधमपुर तनवीर अहमद के अलावा अन्य संबंधित लोग भी आयुक्त के साथ थे।

यहां यह बताना जरूरी है कि श्रीनगर, बारामुल्ला और अनंतनाग–राजौरी की तीन संसदीय सीटों पर क्रमशः 13, 20 और 25 मई को मतदान होना है।

जम्मू, उधमपुर और दिल्ली में प्रवासियों के लिए विशेष मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा, उनके पास पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डालने का विकल्प भी है, जिसके लिए उन्हें पहले फॉर्म 12–सी भरना होगा।

भारत निर्वाचन आयोग की 11 अप्रैल, 2024 की अधिसूचना के अनुसरण में, जम्मू और उधमपुर में विशेष मतदान केंद्रों को संबंधित क्षेत्रों के साथ जोड़ दिया गया है और एम–फॉर्म भरने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव 2024: पीएम श्री बीएमएस काकापोरा पुलवामा में स्वीप के तहत भव्य कार्यक्रम आयोजित

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

पुलवामाः व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) पहल के तहत आज पीएम श्री बीएमएस काकापोरा पुलवामा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में सीईओ पुलवामा, तहसीलदार काकापोरा और पूर्व जेडी साउथ सहित गणमान्य व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एसवीईईपी पहल के तहत आयोजित वृक्षारोपण अभियान था, जो पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सहभागिता के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह आयोजन मतदाता शिक्षा और भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकारी अधिकारियों और स्थानीय समुदाय के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का उदाहरण है, जो क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रथाओं को बढ़ाने में योगदान देता है।

लोक विधानसभा चुनाव-2024

02-श्रीनगर पीसी के लिए ईवीएम का दूसरा रैंडमाइजेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : लोक के सुचारु संचालन के संबंध में सभा चुनाव–2024, 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का दूसरा रैंडमाइजेशन शनिवार को यहां डीसी कार्यालय परिसर के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया रिटर्निंग ऑफिसर, 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र, डॉ. बिलाल की देखरेख में आयोजित की गई थी।

मोही – उद – दीन भट्ट 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में। इस अवसर पर 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ), डिप्टी डीईओ, नोडल अधिकारी ईटीपीबीएस और जिला चुनाव प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

दूसरे रैंडमाइजेशन के दौरान , 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट सहित ईवीएम आवंटित किए गए थे, जिसमें गांदरबल , श्रीनगर, बडगाम (आंशिक रूप से) और पुलवामा और शोपियां के 18 विधानसभा क्षेत्र शामिल थे ।

आंशिक रूप से) जिले। इससे पहले, रिटर्निंग ऑफिसर 02–श्रीनगर पीसी, डॉ. बिलाल ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों सहित प्रतिभागियों के साथ बातचीत सत्र आयोजित किया।

आरओ ने उन्हें लोक में रैंडमाइजेशन के दूसरे चरण के बारे में जानकारी दी सभा निर्वाचन क्षेत्र प्रक्रिया की ईमानदारी में उनका विश्वास सुनिश्चित करते हैं और प्रोत्साहित करते हैं कि भारत के चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से मतदान की पवित्रता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं।

एयर इंडिया ने न्यूनतम किराया खंड के लिए केबिन बैगेज भत्ता घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्लीः घाटे में चल रही एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों पर सबसे कम किफायती किराया खंड के लिए मुफ्त केबिन बैगेज भत्ता 20 किलो.ग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है।

पिछले अगस्त में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया द्वारा पेश किए गए मेनू–आधारित मूल्य निर्धारण मॉडल किराया परिवारों में बदलाव किए गए हैं, एयरलाइन ने कहा है कि एक आकार–सभी के लिए फिट दृष्टिकोण अब आदर्श नहीं है।

हमारे व्हाट्सएप चौनल को फॉलो करने के लिए यहां क्लिक करें एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि तीन किराया परिवार हैं – कम्फर्ट, कम्फर्ट प्लस और फ्लेक्स – जो विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर विभिन्न स्तरों के लाभ और किराया प्रतिबंध प्रदान करते हैं।

2 मई से, श्कम्फर्टश और श्कम्फर्ट प्लसश श्रेणियों के लिए मुफ्त केबिन बैगेज भत्ता क्रमशः 20 किलोग्राम और 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया गया है।

किराया परिवार अवधारणा की शुरुआत से पहले, एयर इंडिया की घरेलू उड़ानों में यात्रियों को 25 किलोग्राम केबिन सामान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ले जाने की अनुमति थी।

"इकोनॉमी क्लास में घरेलू मार्गों पर, कम्फर्ट और कम्फर्ट प्लस दोनों किराया परिवार अब 15 किलोग्राम सामान भत्ता प्रदान करते हैं, जबकि श्फ्लेक्सश 25 किलोग्राम सामान भत्ता प्रदान करता है।

"घरेलू मार्गों पर बिजनेस क्लास बैगेज भत्ता 25 किलोग्राम से 35 किलोग्राम तक है। अंत.रराष्ट्रीय उड़ानों पर मुफ्त सामान भत्ता बाज़ार–दर–बाज़ार अलग–अलग होता है, "प्रवक्ता ने कहा। अन्य घरेलू एयरलाइंस में भी यात्रियों को बिना अतिरिक्त शुल्क के 15 किलो.ग्राम केबिन बैगेज ले जाने की अनुमति है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि किराया परिवारों को यात्रियों को उस तरह का किराया और सेवाएं चुनने की सुविधा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप हों, यह देखते हुए कि आज यात्रियों की अलग–अलग प्राथमिकताएँ हैं, और एक आकार–सभी के लिए फिट दृष्टिकोण अब आदर्श नहीं है।

ईडी ने अमेरिका में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, 130 करोड़ रुपये मूल्य के बिटकॉइन जब्त किए, जांच का अनुरोध किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि उसने 130 करोड़ रुपये से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है और अमेरिकी अधिक.ारियों के अनुरोध पर शुरू की गई ड्रग्स तस्करी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उत्तराखंड के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। परविंदर सिंह को उनके परिसर की तलाशी के बाद 27 अप्रैल को राज्य के नैनीताल जिले के हलद्वानी से हिरासत में लिया गया था।

एक बयान में, केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपी डार्क वेब के माध्यम से अवैध दवाओं की बिक्री के माध्यम से अर्जित आय को "सरेंडर" करने के लिए सहमत हुए। इसमें कहा गया है कि ज्यादातर बिक्री यूरोपीय देशों में हुई। इसमें कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम की अद्वितीय धारा 2 (आरए) को लागू करते हुए अमेरिकी अधिक.ारियों से प्राप्त पारस्परिक कानूनी सहायता अनुरोध के आधार पर जांच शुरू की गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि यह धारा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्स्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के अनुरूप अनुसूची अपराधों के साथ सीमा पार निहितार्थ के अपराध से संबंधित है।

इसमें आरोप लगाया गया कि परविंदर सिंह और उनके भाई बनमीत सिंह कुछ अन्य लोगों के साथ सिंह डीटीओ नामक एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी समूह का संचालन कर रहे थे। एजेंसी ने कहा, डीटीओ का मतलब मादक पदार्थों की तस्करी संगठन है।

ईडी ने कहा, उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों में दवाएं बेचने के लिए डार्क वेब पर विक्रेता विपणन साइटों, क्लियर वेब पर कई मुफ्त विज्ञापनों और नशीले पदार्थों और नियंत्रित–पदार्थ वितरकों के एक नेटवर्क का इस्तेमाल किया।

यह दावा किया गया कि सिंह संगठन ने डार्क वेब बाजारों पर बिक्री के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी की आय प्राप्त की और फिर क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन के माध्यम से उस आय को लूटा। एजेंसी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान आज तक 130.48 करोड़ रुपये के बराबर मूल्य के बिटकॉइन (क्रिप्टोकरेंसी का एक रूप) जब्त किए गए।

मंडलायुक्त ने जम्मू संभाग में यातायात प्रबंधन, विनियमन के मुद्दों पर चर्चा की

शहरों, कस्बों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रभावी यातायात प्रबंधन के निर्देश

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू संभाग के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने आज जम्मू संभाग में यातायात प्रबंधन और उसके विनियमन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने शहरों, कस्बों और राष्ट्रीय राजमार्गों में सावधानीपूर्वक सड़क नियोजन, बेहतर रखरखाव और प्रभावी यातायात विनियमन पर जोर दिया।

बैठक में डीआईजी ट्रैफिक जम्मू, जम्मू, सांबा, उधमपुर के डिप्टी कमिश्नर , एसएसपी जम्मू, एसएसपी ट्रैफिक जम्मू सिटी, एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू रामबन , निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू, संयुक्त परिवहन आयुक्त, आरटीओ जम्मू, संयुक्त आयुक्त जेएमसी, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल, संपर्क , जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जम्मू संभाग के कस्बों, शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर समग्र यातायात परिदृश्य में सुधार लाने पर गहन चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे सड़कों का उचित रखरखाव सुनिश्चित करें, गुणवत्तापूर्ण ब्लैकटॉपिंग करें और जहां भी राष्ट्रीय राजमार्गों और अन्य सड़कों का निर्माण चल रहा है, वहां क्रैश बैरियर, व्यू कटर लगाएं।

जम्मू शहर के यातायात परिदृश्य की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जम्मू मंण गड्ढा मुक्त सड़कें सुनिश्चित करें और कनेक्टिंग और शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाएं।

मंडलायुक्त ने पीडब्ल्यूडी और बीआरओ को आरएस पुरा–सतवारी रोड, मांडा–नगरोटा टीसीपी रोड को सुधारने का निर्देश दिया, जबकि एनएचआईडीसीएल को भगवती नगर में राइडिंग/ड्राइविंग सतह का समतलीकरण जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। जम्मू शहर में बेहतर यातायात संचालन के लिए, उन स्थानों की पहचान करने के निर्देश जारी किए गए जहां सड़कें बार–बार क्षतिग्रस्त होती हैं, सड़कों पर निशान लगाना, फुटपाथों से अतिक्रमण हटाना, मलबे, मलबा या निर्माण सामग्री को हटाना जो सड़कों को अवरुद्ध कर सकते हैं, शनिकटतमश दर्शाने वाले सड़क साइनेज लगाने के निर्देश जारी किए गए। पार्किंग, जेएमसी द्वारा नए वेंडिंग जोन की पहचान, और स्कूलों के बाहर स्कूल बसों की सड़क किनारे पार्किंग की कड़ी जांच और जम्मू शहर में एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली का उचित कामकाज।

आरटीओ जम्मू को मोटर वाहन के क्रेताओं और विक्रेताओं को खरीद–बिक्री के बाद वाहनों के पुनः पंजीकरण के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने को कहा गया तथा यह भी बताया गया कि किस प्रकार के वाहनों और किन स्थितियों के लिए मोटर वाहन विभाग द्वारा इसकी अनुमति नहीं है।

लखन–पुर से सिधरा , उधमपुर से बनिहाल और जम्मू– पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए, मंडलायुक्त ने यातायात एसएसपी से सुचारू यातायात प्रवाह में नवीनतम टिप्पणियों और चुनौतियों के बारे में पूछताछ की।

मंडलायुक्त ने हितधारकों को यातायात में सुधार के लिए संबंधित सड़क अधिकारियों के साथ टिप्पणियों को साझा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने एनएच पर सुचारू यातायात संचालन के लिए सभी संबंधित पक्षों से ठोस प्रयास करने का आह्वान किया ।

एससीबीए ने वकीलों की संस्था की कार्यकारी समिति में महिलाओं के लिए पद आरक्षित करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चिंता जताई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें कहा गया है कि वकीलों की संस्था की कार्यकारी समिति में महिलाओं के लिए पद आरक्षित करने का सुप्रीम कोर्ट का निर्देश उसकी स्वतंत्रता को श्प्रभावितश करता है।

इस बात पर जोर देते हुए कि 2 मई का आद.श शीर्ष अदालत ने श्प्रासंगिक एससीबीए नियमों पर विचार किए बिनाश अपने आप पारित कर दिया था, शुक्रवार को पारित एसोसिएशन के प्रस्ताव में कहा गया कि उसने श्आगे के कदमों पर विचार करनेश के लिए एक बैठक बुलाने का संकल्प लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि आगामी 2024–2025 एससीबीए चुनावों में कोषाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाए. इसमें यह भी कहा गया कि वकीलों के निकाय की कार्यकारी समिति में कम से कम एक तिहाई सीटें आरक्षित करनी होंगी। "कार्यकारी समिति में न्यूनतम एक–तिहाई सीटें, यानी नौ में से तीन; वरिष्ठ कार्यकारी सदस्यों में से न्यूनतम एक तिहाई, यानी छह में से दो; और पदाधिकारी का कम से कम एक पद विशेष रूप से बारी–बारी से और रोटेशन के आधार पर महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किया जाएगा, "शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया। एससीबीए की कार्यकारी समिति ने अगले दिन बैठक की और प्रस्ताव पारित किया। उच्चतम न्यायालय के 2023 के एक फैसले का जिक्र करते हुए प्रस्ताव में कहा गया, "सामान्य तौर पर बार के कई सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंता और चिंता को देखते हुए, कार्यकारी समिति के अधिकांश सदस्यों का विचार है कि समिति ने इसका सख्ती से पालन किया है।" सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित सभी आदेशों या निर्देशों के साथ।" इसमें कहा गया है कि समिति का मानना छ्छहै कि एससीबीए नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों पर विचार किए बिना सर्वोच्च न्यायालय के पास आदेश पारित करने का शायद कोई अवसर नहीं था। प्रस्ताव में कहा गया है, श्इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि 2 मई के आदेश के परिणामस्वरूप, बार की स्वतंत्रता, जो न्याय वितरण प्रणाली में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और न्याय प्रशासन में एक महत्वपूर्ण हितधारक है, भी प्रभावित हुई है।श . "बहुमत से यह निर्णय लिया गया है कि (एससीबीए) सचिव (रोहित पांडे) स्वतरू संज्ञान के अखिल भारतीय परिणामों के संबंध में बड़े पैमाने पर चर्चा करने और बार को संबोधित करने के लिए एक आपातकालीन आम बैठक (ईजीएम) बुलाएंगे। न्यायिक हस्तक्षेप से बार एसोसिएशन के नियमों में संशोधन और इस मामले में आगे के कदम पर विचार करें, "यह आगे कहा। 2 मई को, जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि उसका मानना छ्छहै कि एससीबीए एक प्रमुख संस्था है और देश के सर्वोच्च न्यायिक मंच का अभिन्न अंग है। "मानदंड, पात्रता शर्तें, सदस्यता, सदस्यता शुल्क संरचना आदि, दशकों तक स्थिर नहीं रह सकते हैं और समय–समय पर संस्था के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए समय पर सुधार किए जाने की आवश्यकता है," तब उसने कहा था।

एससीबीए चुनाव 16 मई को होंगे और वोटों की गिनती 18 मई को होगी। नतीजे अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

वोमेध रंगमंच मंच रोवमुट भट्टा; कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर सार्थक नाटक प्रस्तुत करने की अपनी प्रतिष्ठा को कायम रखते हुए, वोमेध रंगमंच ने कल शाम एक और नाटक श रोवमट श का मंचन किया अभिनव थिएटर परिसर में राइटर्स क्लब, केएल सहगल हॉल में सीएफपीजीएस के तहत संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित भट्टा श(लॉस्ट पंडित) ने खचाखच भरे दर्शकों को पटकथा, निर्देशन और कलाकारों के प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ अरविन्द करवानी , राहत और पुनर्वास आयुक्त (प्रवासी) मुख्य अतिथि थे, जबकि अजय भारती , पूर्व एमएलसी और प्रवक्ता भाजपा सम्मानित अतिथि थे । दर्शकों में शीर्ष गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ कलाकार, सामा. जिक कार्यकर्ता, लेखक, कवि और कश्मीरी पंडित समुदाय और जम्मू के अन्य दिग्गज शामिल थे। रोवमुट भट्ट कश्मीरी पंडितों की 1990 में कश्मीर घाटी में उग्रवाद के फूटने के बाद जबरन निर्वासन से लेकर अब तक की यात्रा पर एक व्यंग्यात्मक कहानी है, तथा आतंकवाद और अंतर–सांस्कृतिक अराजकता के मकड़जाल में फंसे समुदाय पर इसके प्रभाव के बारे में बताती है, जिससे वे अपने भविष्य को लेकर असमंजस में पड़ गए हैं।

यह नाटक समुदाय के नेतृत्व पर भी आत्मचिंतन करता है, जिनमें से अधिकांश इस स्थिति से निपटने के तरीके को लेकर भ्रमित दिखते हैं और उनके बच्चों के अंतर–सांस्कृतिक पालन–पोषण से अंतर्जातीय विवाह आदि के माध्यम से उनकी सदियों पुरानी अनूठी रीति–रिवाजा. ँ, भाषा, परंपराओं के उन्मूलन का खतरा पैदा हो गया है। नाटककार राकेश के अनुसार रोशन भट्ट , जिनके सभी नाटक दर्शकों के बीच मेगा हिट रहे हैं, कहते हैं, श्आत्मनिरीक्षण स्वयं का आकलन करने का एक बेहतरीन साधन है। यह आत्मा को शुद्ध करता है और मन में जमी गंदगी को साफ करता है। यह व्यक्ति को आगे बढ़ने और अहंकार को दूर करने में मदद करता है। ईमानदार आत्मनिरीक्षण से अंतर्दृष्टि मिलती है।

रोवमुट बत्ता एक गहन आत्मनिरीक्षण की कहानी है। यह केपी समुदाय के साथ क्या गलत हुआ और क्यों हुआ, इसका जायजा लेने की कहानी है? क्या समुदाय के सामने आने वाली सभी बुराइयों के लिए केवल बाहरी कारक ही जिम्मेदार हैं? रोवमुट बत्ता एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी है जिसमें आत्मनिरीक्षण, चिंतन, पुरानी यादें, लचीला. पन और आशा के तत्व हैं।

डायरेक्टर रोहित भट का कहना है कि यह लचीलेपन और आशा की कहानी है क्योंकि नायक इतने सालों तक कोमा में रहने के बाद भी वापस एक्शन में आ जाता है। आशावादी कहेगा–यदि वह ऐसा कर सकता है तो कोई भी कर सकता है और निराशावादी कहेगा–यदि वह ऐसा नहीं कर सकता, तो कोई नहीं कर सकता, उन्होंने आगे कहा कि वे कुछ भी उपदेश देने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और उनका इरादा किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं है बल्कि यह है रुककर पीछे देखने का एक प्रयास है; आखिरकार क्या यही अच्छा और सार्थक रंगमंच नहीं है? वरिष्ठ पत्रकार और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता किंग सी भारती का कहना है कि सामाजिक बुराइयों पर टिप्पणी करने को नकारात्मक अर्थ में नहीं लिया जाना चाहिए, बल्कि सबक लेना चाहिए और आत्मनिरीक्षण करना चाहिए जो नाटक का वास्तविक संदेश है। कहानी 80 के दशक के एक व्यक्ति तथ्या के इर्द–गिर्द घूमती है , जो तीन दशकों से कोमा में है, जिसका बड़ा बेटा कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा मारा गया था, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और कैसे उसका दूसरा बेटा राजू भी उसके साथ जम्मू चला गया । ताथ्य का पालक पुत्र जोरा । एक दिन ताथ्य अचानक कोमा से बाहर आता है और नाटक तब शुरू होता है जब वह अपने बेटे से असहज सवाल पूछना शुरू कर देता है कि उसे या उसके समुदाय को इतने सालों में न्याय क्यों नहीं मिल पाया। आखिरकार वह न्याय पाने के लिए आमरण अनशन पर बैठ जाता है क्योंकि नेतृत्व ने उन्हें निराश किया है। राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, सामुदायिक नेतृत्व और समुदाय के भीतर व्याप्त भ्रम के बारे में कई असहज सवाल उठाते हुए अंततः विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी मृत्यु हो जाती है। पटकथा शानदार है, निर्देशन उत्कृष्ट है और सभी कलाक. ारों ने अच्छा अभिनय किया है, जबकि ताथ्या , जोरा और राजू तथा प्रदीप शीर्ष स्तर के हैं। दर्शकों ने इतने शानदार नाटक और प्रदर्शन के लिए कलाकारों और वोमेध का खड़े होकर अभिनंदन किया। विभिन्न भूमिकाएं निभाने वाले कलाकारों में (तथ्य) जतिंदर शामिल हैं जोतशी , (राजू) किंग सी भारती , (प्रदीप) सनी मुजू , (माला) सुषमा कुमारी , (झोरे) विनय पंडिता , (हेमा) वर्षा कुमारी , (व्यक्ति 1) अरविन टिक्कू , (व्यक्ति 2) कामाक्ष्य डोगरा , (नेता 3) विनोद भूषण , (लीडर 4) रोहित भट्ट , (नेता, (विदूषक) राकेश टिक्कू , (होस्ट) बिंदिया रैना टिक्कू , नाटक राकेश द्वारा लिखा गया है रोशन भट , निर्देशक रोहित भट्ट . बैक स्टेज का प्रबंधन (वेशभूषा) भारती द्वारा किया गया कौल , (मेकअप) शम्मी धमीर , (संगीत) इशु भारती पंडित , (ध्वनि) लोकेश / विमल , (प्रकाश) तारा चंद , (हॉल प्रबंधन) साची संदीप भट एवं टीम एन.डी.के.एम. और (प्रचार) शाजी खान, मारिया खान एवं राहुल पंडिता .

भद्रवाह में रेड क्रॉस दिवस के लिए गतिविधि योजना पर चर्चा की गई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

भद्रवाह : तिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) भद्रवाह सुनील कुमार ने आज विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाने के लिए गतिविधि योजना को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में बीएमओ डॉ. मोहम्मद अशरफ, प्रिंसिपल जीएचएसएस बॉयज डॉ. नजीर अहमद, प्रिंसिपल गर्ल्स एचएसएस शफायत अली, चेयरमैन यूथ एक्शन कमेटी नसीर मेहबूब और ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और नगरपालि. का समिति भद्रवाह (एमसीबी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एडीसी ने अधिकारियों को रक्तदान शिविर आयोजित करने, छात्र रैली आयोजित करने, बाइक रैली आयोजित करने और कार्यक्रम के लिए शामियाना लगाने का निर्देश दिया।

एडीसी ने सड़कों पर स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सभी प्रतिभागियों से रैली मार्ग को साफ रखने में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

बांदीपोरा में मतदान कर्मचारियों का दूसरा रैंडमाइजेशन आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बांदीपोराः मतदान कर्मचारियों का दूसरा रैंडमाइजेशन आज वीसी रूम मिनी सचिवालय बांदीपोरा में आयोजित किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) बांदीपोरा, शकील उल रहमान ने 1–बारामूला पीसी के लिए सामान्य पर्यवेक्षक दीपेंद्र सिंह कुशवाह की देखरेख में रैंडमाइजेशन प्रक्रिया का संचालन किया, जिन्होंने वर्चुअल मोड के माध्यम से रैंडमाइजेशन में भाग लिया।

उप डीईओ बांदीपोरा, मोहम्मद रफीक भट, नोडल अधिकारी एमसीएमसी (डीआईओ), डॉ. नसीर अहमद; इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

निर्दिष्ट मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मचारियों को ड्यूटी सौंपने के लिए इस उद्देश्य के लिए नामित समर्पित सॉफ्टवेयर का उपयोग करके यादृच्छिककरण किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर निष्पक्ष रूप से मतदान कर्मचारी प्राप्त हों।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

02–श्रीनगर पीसी के लिए ईवीएम का दूसरा रैंडमाइजेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः लोकसभा चुनाव–2024 के सुचारू संचालन के संबंध में, 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का दूसरा रैंडमाइजेशन शनिवार को यहां डीसी कार्यालय परिसर के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया 02–श्रीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर, डॉ. बिलाल मोहि–उद–दीन भट की देखरेख में 02–श्रीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर 02–श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ), डिप्टी डीईओ, नोडल अधिकारी ईटीपीबीएस और जिला चुनाव प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

द्वितीय रैंडमाइजेशन के दौरान, 02–श्रीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपीएटी सहित ईवीएम आवंटित किए गए, जिसमें गंदेरबल, श्रीनगर, बडगाम (आंशिक रूप से) और पुलवामा और शोपियां (आंशिक रूप से) जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इससे पहले, रिटर्निंग ऑफिसर 02–श्रीनगर पीसी, डॉ. बिलाल ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों सहित प्रतिभागियों के साथ एक बातचीत सत्र आयोजित किया। रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में रैंडमाइजेशन के दूसरे दौर के बारे में जानकारी दी, जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता में उनका विश्वास सुनिश्चित हुआ और उन्हें प्रोत्साहित किया गया कि भारत के चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से मतदान की पवित्रता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

सामान्य पर्यवेक्षक ने 9–उरी एसी का दौरा किया; लोकसभा के लिए मतदान केंद्रों पर एएमएफ सुनिश्चित करता है सभा चुनाव

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूला : लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर 20 मई को 1–बारामूला संसदीय क्षेत्र में सभा , 1–बारामूला पीसी के सामान्य पर्यवेक्षक दीपेंद्र सिंह कुशवाह ने एआरओ 9–उरी विधानसभा खंड, जावीद अहमद राथर के साथ आज डिस्पैच सेंटर और विभिन्न मतदान केंद्रों का व्यापक निरीक्षण किया। उपखंड उरी के अंतर्गत स्टेशन। इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी मतदान केंद्रों पर ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) हों।

सभी मतदाताओं के लिए सुचारू और प्रभावी मतदान प्रक्रिया की गारंटी के लिए प्रत्येक साइट पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का व्यापक मूल्यांकन किया गया था। दौरे के दौरान, पर्यवेक्षक ने उरी में डिस्पैच सेंटर का दौरा किया और व्यवस्थाओं का आकलन किया, जहां से लोकसभा चुनाव के दौरान विधानसभा क्षेत्र के व्यक्तिगत मतदान केंद्रों पर मतदान दलों और चुनाव सामग्री का वितरण किया जाएगा । दीपेंद्र सिंह ने सीमावर्ती गांवों में कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और रैंप की उपलब्धता, स्वच्छता सुविधाओं, पीने के पानी और बिजली की आपूर्ति जैसे विभिन्न आवश्यक पहलुओं का व्यापक मूल्यांकन किया – ये सभी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) के अंतर्गत आते हैं। ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार मतदान दलों को प्रदान किया जाना है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए, सामान्य पर्यवेक्षक ने मतदाताओं और मतदान स्टाफ सदस्यों दोनों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान दीपेंद्र सिंह ने लोक की तैयारियों से जुड़े सभी हितधारकों को जिम्मेदारी सौंपी मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी के साथ सभा चुनाव, और चुनावी प्रक्रिया की सफलता की गारंटी के लिए निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

एमएसएमई योजनाओं के कार्यान्वयन में लद्दाख ने पिछले वर्ष की उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : एमएसएमई मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय एमएसएमई–डीएनसी, लद्दाख , लद्दाख के एमएसएमई क्षेत्र के लाभ के लिए विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों को लागू करता है , जिसका क्षेत्राधिकार लेह और कारगिल दोनों जिलों में है ।

इन गतिविधियों में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम, बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम, खरीद विपणन सहायता योजना जागरूकता कार्यक्रम, पीएम– विश्वकर्मा जागरूकता कार्यक्रम, पीएम– विश्वकर्मा जागरूकता कार्यशाला, उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, बारकोड व्यय की प्रतिपूर्ति, स्टॉल शुल्क की प्रतिपूर्ति, आने–जाने के शुल्क, देश के सभी हिस्सों में आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए विज्ञापन व्यय शामिल हैं।

माननीय की उपस्थिति में 14/02/2024 को एमएसएमई डेवलपमेंट न्यूक्लियस सेल कार्यालय का आधिकारिक उद्घाटन किया गया श्री जामयांग त्सेरिंग लद्दाख के नामग्याल सांसद श्री संजीव खिरवार , आईएएस, प्रमुख सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, श्री ताशी काचू , अध्यक्ष, लद्दाख चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ कार्यक्रम का समन्वय जी.वेल्लादुराई , आईईडीएस, संयुक्त निदेशक, एमएसएमई डीएफओ जम्मू, जम्मू–कश्मीर द्वारा किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान एमएसएमई डीएनसी लद्दाख ने ईएपी, आईपीआर, पीएम विश्वकर्मा सेमिनार और कार्यशाला और पीएमएस जागरूकता कार्यक्रम को कवर करते हुए 09 कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे लद्दाख के लेह और कारगिल दोनों जिलों को कवर करते हुए 3505 प्रतिभागी लाभान्वित हुए, जिसमें रुपशो , खारसा , विलेज फयांग जैसे दूरदराज के क्षेत्र शामिल हैं, जबकि लद्दाख के जिला लेह में वित्तीय वर्ष 2022–23 में आयोजित 2 कार्यक्रमों में 120 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। ये उपलब्धियां श्री के समर्पित कार्यों के कारण संभव हुईं सोनम टार्गियास और थिन्लेस त्सोमो कार्यालय की गति. विधियों पर नजर रख रहे थे।

राज्य मोटर गैरेज, स्वास्थ्य सेवाएं कश्मीर ने चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : मोटर गैराज ने स्वास्थ्य सेवा निद. शालय कश्मीर के सहयोग से श्रीनगर के बेमिना स्थित राज्य मोटर गैराज में एक चिकित्सा शि. विर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य एसएमजी विभाग के चालक दल और तकनीकी कर्मचारियों के स्वास्थ्य और फिटनेस को सुनिश्चित करना था ताकि विभाग का सुचारू संचालन हो सके। शिविर में अग्रणी डॉक्टरों और पैरामेडिक्स ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं और सभी कर्मचारियों की पूर्ण स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की। शिविर में परिवहन सचिव नीरज कुमार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, राज्य मोटर गैराज के निदेशक मलिक ताहिर गनी और अन्य उपस्थित थे। राज्य मोटर गैराज विभाग के निदेशक ने इस शिविर की सफलता के लिए अमूल्य सहयोग के लिए स्वास्थ्य सेवा निदेशालय कश्मीर का आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना

जीडीसी मरहीन के सेमिनार ने जागरूकता और कार्रवाई को बढ़ावा दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : मरहीन में सड़क सुरक्षा क्लब और एनएसएस इकाई ने 4 मई, 2024 को ष्सड़क सुरक्षा और इसकी सावधानियांश विषय पर केंद्रित एक सेमिनार आयोजित करने के लिए सहयोग किया। कॉलेज की सम्मानित प्राचार्य डॉ अनुपमा गुप्ता के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और युवाओं में सड़क सुरक्षा उपायों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

डॉ. गुप्ता ने उपस्थित लोगों को अपने संबा. धन में जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने, ज़ेबरा क्रॉसिंग और ट्रैफिक लाइट का सम्मान करने और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कम उम्र के व्यक्तियों को वाहन चलाने की अनुमति देने से परहेज करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से सड़क पर लापरवाही के कारण खोई हर जान की कीमत को पहचानते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और सड़क सुरक्षा क्लब के संयोजक डॉ. अरुण देव सिंह ने यातायात नियमों के बारे में संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने छात्रों को इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और सड़क सुरक्षा की वकालत करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं की खतरनाक दर को रोकने में शिक्षा और जागरूकता के महत्व पर जोर दिया, युवाओं से उदाहरण पेश करने और दूसरों को यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करने का आग्रह किया। सेमिनार के दौरान, एनएसएस स्वयंसेवकों नेहा , कनिका , सुरेखा और धर्मवीर ने सड़क सुरक्षा पर अपने दृष्टिकोण साझा किए और सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से बताया। वे अपने साथियों के साथ चर्चा में शामिल हुए, महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए और सड़क सुरक्षा प्रथाओं से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित संकाय सदस्यों में डॉ. बलबिंदर , डॉ. मुनीषा , डॉ. शालू , प्रो. प्रीति , प्रो. त्रिप्ति , डॉ. बरनीत और डॉ. रीमी ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और सड़क सुरक्षा मुद्दों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उनकी उपस्थिति ने अपने छात्रों और कर्मचारियों के बीच सुरक्षा और जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सेमिनार ने छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों के बीच सार्थक संवाद और सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इसने सड़क दुर्घटनाओं से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने में सामूहिक प्रयासों के महत्व को मजबूत किया और सकारात्मक बदलाव लाने में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला।

अंत में, जीडीसी, मरहीन में सड़क सुरक्षा क्लब और एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा पर सेमिनार ने सुरक्षित सड़कें बनाने और युवाओं के बीच जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाया।

एनएएलएसए योजना, 2015 पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम चरार –आई– शरीफ, बडगाम में आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बडगाम : ला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), बडगाम और तहसील कानूनी सेवा समिति (टीएलएससी), चारे–आई– शरीफ , सरकारी बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, चारे–आई– शरीफ और एचआर और एसीएफ (एनजीओ) के सहयोग से आज एक आयोजन कर रहे हैं। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य (बच्चों के लिए बाल मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवाएं और उनकी सुरक्षा) योजना 2015 के बारे में कानूनी ज्ञान के साथ समुदायों को सशक्त बनाना है।

शरीफ में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों और प्रमुख हस्तियों की भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम में डीएलएसए, बडगाम के अध्यक्ष खलील अहमद चौधरी , डीएलएसए, श्रीनगर के सचिव जहांगीर अहमद बख्शी , डॉ. मोहम्मद ऐजाज शामिल हुए। अशरफ , क्षेत्रीय निदेशक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय; फखुर –उन– निसा , अध्यक्ष तहसील कानूनी सेवा समिति, चरार –ए– शरीफ ; मंजूर अहमद, प्रिंसिपल सरकारी बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चरार–ए– शरीफ ; सैयद ओवैस गिलानी , एसएचओ चरार –ए– शरीफ ; मासूक अहमद, एडवोकेट, बार एसोसिएशन, चरार–ए– शरीफ के अध्यक्ष और मुदस्सिर अहमद, एचआर एसीएफ (मुख्यालय) दिल्ली के अध्यक्ष। इस कार्यक्रम में दंड अधिवक्ता, नागरिक समाज के सदस्य, कर्मचारी सदस्य, टीएलएससी के पैरा लीगल वालंटियर (पीएलवी) और छात्र भी शामिल हुए। अपने अध्यक्षीय भाषण में, डीएलएसए, बडगाम के अध्यक्ष ने सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कानूनी जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वंचितों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने में कानूनी सहायता क्लीनिक की भूमिका पर प्रकाश डाला। सचिव डीएलएसए, बडगाम ने कानूनी मामलों में साम. दायिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया और कानूनी जागरूकता में सक्रिय दृष्टिकोण के लिए टीएलएससी, चार–ए– शरीफ के प्रयासों की सराहना की। टीएलएससी के अध्यक्ष चरार –ए– शरीफ ने देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों और कानून से संघर्षरत बच्चों के लिए कानूनी सहायता के लाभकारी प्रावधानों के बारे में कानूनी जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. ऐजाज ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सामाजिक न्याय एवं समानता को बढ़ावा देने में कानूनी साक्षरता के महत्व पर बल दिया। इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान और नात के दिल को छू लेने वाले पाठ से हुई शरीफ. राजकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चरार –ए– शरीफ के प्रधानाचार्य मंजूर अहमद ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों का स्वागत भाषण दिया और जिम्मेदार नागरिकों को आकार देने में कानूनी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। एडवोकेट रेयाज अहमद, पैनल वकील टीएलएससी, चारे –ए–शरीफ ने किशोर न्याय देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम, 2015 का अवलो. कन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बच्चों के लाभ के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनी प्रावधानों पर जानकारीपूर्ण सत्र और कानूनी प्रणाली की जटिलताओं को समझने के लिए आवश्यक कानूनी ज्ञान से छात्रों को लैस करने वाले इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे।

केसीसीआई और एसजीसीसीआई ने ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) और दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) ने शुक्रवार, 3 मई, 2024 को केसीसीआई कार्यालय, श्रीनगर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

मुख्य अतिथि, आयुक्त उद्योग और वाणिज्य श्री विक्रमजीत सिंह की उपस्थिति में केसीसीआई और एसजीसीसीआई पदाधिकारियों की विशेष कार्यकारी बैठक में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर निदेशक हस्तशिल्प, कश्मीर श्री महमूद अहमद शाह भी उपस्थित थे।

समझौता ज्ञापन पर केसीसीआई के अध्यक्ष जाविद अहमद टेंगा और एसजीसीसीआई के अध्यक्ष रमेश चंद्र ने हस्ताक्षर किए।

वाघासिया के साथ अपने–अपने चैंबर्स की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन में व्यापार गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों के आदान–प्रदान/व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी के संबंध में आपसी सहयोग का प्रावधान है।

दोनों चैंबर व्यापार पर प्रभावी परामर्श, सहयोग और सूचना का आदान–प्रदान स्थापित करेंगे: दोनों चैंबर वाणिज्य को मजबूत करने और नए व्यापार अवसरों की खोज करने के लिए अपने सदस्यों के लिए संयुक्त रूप से सम्मेलनों/बैठकों/सेमिनारों/कार्यशालाओं/प्रस्तुतियों का आयोजन करेंगे; दोनों चैंबर सर्वोत्तम संभव तरीके से परस्पर सहयोग करेंगे ताकि व्यापार आवश्यक हस्तक्षेप और समन्वय के साथ बढ़ सके और फल–फूल सके, इसी तरह, दोनों पक्ष उचित परिश्रम और पेशेवर तरीके से अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे; दोनों चैंबर अपने चैंबर में लागू की जा रही अर्थव्यवस्था, व्यापार, प्रकाशन, व्यापार विनियमन, औद्योगिकीकरण, आर्थिक कानून और व्यावसायिक प्रथाओं पर सूचनाओं का आदान–प्रदान करेंगे।

जहाँ भी लागू हो, दोनों पक्ष लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम सहयोग और समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

दोनों चैंबर अपने सदस्यों को विभिन्न व्यावसायिक आयोजनों/अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए परस्पर सहयोग प्रदान करेंगे।

दोनों चैंबर अपने–अपने चैंबरों के बीच वाणिज्यिक और आर्थिक प्रतिनिधिमंडलों की यात्राओं में मदद करेंगे, जिससे दोनों चैंबर अपने समकक्षों को व्यावसायिक संपर्कों को बेहतर ढंग से साकार करने में सक्षम बनाएंगे और एक–दूसरे को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मेलों/प्रदर्शनियों आदि के बारे में जानकारी देंगे। दोनों चैंबर व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चैंबर–टू–चैंबर गतिविधियों/सार्थक संपर्क को संचालित करने के लिए सहमत हैं।

एसजीसीसीआई के अध्यक्ष ने दोनों चैंबरों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के महत्व पर प्रकाश डाला।

ग्लोबल कनेक्ट मिशन 84 के तहत यह केसीसीआई के लिए भारत के 84 चैंबर ऑफ कॉमर्स और विदेशों में 84 चैंबर ऑफ कॉमर्स, भारत में 84000 उद्यमियों और विदेशों में 84000 उद्यमियों; भारत में 84 दूतावासों और भारत में विदेशी देशों के 84 दूतावासों के साथ जुड़ने का द्वार खोलेगा। केसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर से केसीसीआई सदस्यों, कश्मीर हस्तशिल्प, व्यापार, वाणिज्य, उद्योग, बागवानी, पर्यटन, सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य विनिर्माण के हितधारकों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मुख्य अतिथि, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त, श्री विक्रमजीत सिंह ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए दोनों चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्षों को बधाई दी, जो ऐतिहासिक साबित होगा क्योंकि यह कश्मीरी व्यवसायों, महिला उद्यमियों, कारीगरों, बुनकरों, स्टार्ट–अप आदि को बड़े अवसर प्रदान करेगा।

संपादकीय

युद्धविराम वार्ता

इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम वार्ता के हालिया घटनाक्रम ने आशा और संदेह दोनों को जन्म दिया है। जैसे–जैसे गाजा में संघर्ष अपने सातवें महीने के करीब पहुंच रहा है, बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और आगे की हिंसा की आशंकाओं के कारण समाधान तक पहुंचने की तात्कालिकता तेज हो गई है। वार्ता के मूल में उद्देश्यों में मूलभूत असमानता है। जबकि इज़राइल बंधकों की वापसी चाहता है और गाजा में हमास द्वारा उत्पन्न खतरे को कम करना चाहता है, फिलिस्तीनी गुट क्षेत्र में इजरायली सैन्य अभियानों को स्थायी रूप से बंद करने की मांग करता है। यह मौलिक विसंगति संघर्ष की गहरी जटिलताओं को रेखांकित करती है, जहां प्रत्येक पक्ष की मांगें ऐतिहासिक शिकायतों और अस्तित्व संबंधी चिंताओं में निहित हैं। इज़राइल के लिए, हमास द्वारा रखे गए बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने की संभावना एक सर्वोपरि चिंता का विषय है। नागरिकों को बंदी बनाए जाने का भावनात्मक प्रभाव इज़रायली सरकार पर भारी पड़ता है, जिससे कैबिनेट के भीतर से उनकी सुरक्षित वापसी को प्राथमिकता देने के लिए आह्वान किया जाता है। हालाँकि, युद्धविराम समझौते की परवाह किए बिना, राफा में सैन्य अभियान शुरू करने की जिद एक अधिक कठोर दृष्टिकोण को दर्शाती है जो हमास द्वारा उत्पन्न खतरे को पूरी तरह से खत्म करना चाहता है। दूसरी ओर, गाजा में इजरायली अभियानों को स्थायी रूप से समाप्त करने की हमास की दृढ़ मांग फिलिस्तीनी प्रतिरोध की स्थायी लचीलापन की बात करती है। स्वायत्तता और कब्जे से मुक्ति की इच्छा से प्रेरित, हमास ने इस गारंटी से कम कुछ भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि गाजा में इजरायली घुसपैठ स्थायी रूप से बंद हो जाएगी। यह मांग फ़िलिस्तीनी लोगों की अपनी भूमि पर आत्मनिर्णय और संप्रभुता की व्यापक आकांक्षाओं को समाहित करती है। इन वार्ताओं के बीच, बाहरी अभिनेताओं की भूमिका, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की उभरती छाया, स्थिति में जटिलता की एक और परत जोड़ती है। तेल अवीव में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का आगमन संघर्ष के समाधान में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि को रेखांकित करता है। हालाँकि, इजरायली नेताओं के खिलाफ आईसीसी गिरफ्तारी वारंट का संभावित खतरा वार्ता में तात्कालिकता और आशंका की भावना पैदा करता है, जो लंबे समय तक सैन्य कार्रवाई के संभावित परिणामों को उजागर करता है। जैसे–जैसे बातचीत जारी रहती है, दोनों पक्षों के लिए संघर्ष की मानवीय लागत को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। गाजा में हताहतों और विनाश की चौंका देने वाली संख्या युद्धविराम की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है जो गोलाबारी में फंसे नागरिकों की पीड़ा को कम कर सकती है। इसके अलावा, एक स्थायी समाधान को संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करना चाहिए, जिसमें इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों की अंतर्निहित शिकायतें और आकांक्षाएं शामिल हैं। अंततः, क्षेत्र में शांति का मार्ग चुनौतियों और अनिश्चितताओं से भरा है। लेकिन वास्तविक बातचीत में शामिल होने और आपसी समझ और समझौते के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने से, एक ऐसे भविष्य की आशा बनी रहती है जहां इजरायल और फिलिस्तीनी शांति और सुरक्षा में रह सकते हैं। जैसा कि दुनिया देख रही है, दांव इससे बड़ा नहीं हो सकता, और समाधान की अनिवार्यता इससे अधिक दबाव वाली नहीं हो सकती

कृषि क्षेत्र के लिए एक एजेंडा

एक संतोषजनक भोजन और कृषि प्रणाली की कुंजी आजीविका, पर्यावरण, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा की रक्षा की चार सबसे महत्वपूर्ण चिंताओं को एक साथ लाना और बढ़ावा देना है।

भारत डोगरा

एक संतोषजनक भोजन और कृषि प्रणाली की कुंजी आजीविका, पर्यावरण, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा की रक्षा की चार सबसे महत्वपूर्ण चिंताओं को एक साथ लाना और बढ़ावा देना है। ऐसी समग्र नीति विकसित करना निश्चित रूप से संभव है क्योंकि चिंताएँ अनिवार्य रूप से संगत हैं और इसलिए उन्हें एक–दूसरे के साथ एकीकृत किया जा सकता है। दुर्भाग्य से भारत में सरकारी नीतियां ऐसे आदर्श एकीकरण से बहुत पीछे हैं। वह व्यापक समझ, जिसके आधार पर ऐसा एकीकरण हासिल किया जा सकता है, गायब है।

इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हाल ही में सुर्खियाँ बटोरने वाले अधिक प्रमुख किसान आंदोलन अपनी मांगों की अभिव्यक्ति में इस तरह के एकीकरण को प्रतिबिंबित करने में सक्षम नहीं हैं और अक्सर पर्यावरणीय पहलुओं की उपेक्षा करते हुए अपनी आर्थिक मांगों पर प्रमुख जोर देते हैं, इस अभाव में यह भूल जाते हैं पर्यावरण संरक्षण के कारण उनकी आजीविका (और इससे भी अधिक अगली पीढ़ी की) की स्थिरता गंभीर रूप से खतरे में पड़ जाएगी। अल्पकालिक दृष्टि प्रदर्शित करने वाले कुछ विपक्षी नेताओं ने इस तरह के कदम के निहितार्थ को समझने की परवाह किए बिना किसानों की संपूर्ण मांगों का तत्काल समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताकर त्वरित चुनाव–समय का लाभ छीनने की कोशिश की है।

हालाँकि, किसान आंदोलन द्वारा शुरू की गई बहस एक उपयोगी उद्देश्य पूरा करेगी यदि इससे वैकल्पिक खेती और खाद्य प्रणाली की जरूरतों की अधिक व्यापक जांच हो सके जो आजीविका, पर्यावरण और जैव विविधता की रक्षा के साथ–साथ सुरक्षित और स्वस्थ प्रदान करने की प्रमुख चिंताओं को एकीकृत कर सके। खाना। मौजूदा व्यवस्था की आलोचना करना पर्याप्त नहीं है, हमें यह स्पष्ट होना चाहिए कि हमें वास्तव में क्या चाहिए। यदि स्पष्टता नहीं है तो श्सुधारश के नाम पर हमें बुरी स्थिति से बदतर स्थिति में धकेला जा सकता है। श्सामाजिक कृषि–पारिस्थितिकीश की अवधारणा एक वैकल्पिक भोजन और कृषि प्रणाली की ओर बढ़ने का अभिन्न अंग है जो हमारे देश और लोगों की जरूरतों को सर्वोत्तम ढंग से पूरा करेगी, और यहां तक घ्धकि अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम कर सकती है। सामाजिक कृषि–पारिस्थितिकी को समानता और पर्यावरण, न्याय और सुरक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य के मिलन बिंदु के रूप में परिभाषित किया जा सकता है और यह इस पर आधारित खेती और खाद्य प्रणाली के लिए दृढ़ता से खड़ा है। भारत को कृषि–जलवायु और कृषि–भौगोलिक परिस्थितियों की विविधता का आशीर्वाद प्राप्त है, जिसके लिए कृषि विकास के लिए अत्यधिक विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। यह वास्तविकता हमेशा से रही है और खेती में अति–केंद्रीकरण कभी नहीं होना चाहिए। हरित क्रांति के बाद बढ़ी यह प्रवृत्ति भारतीय कृषि के लिए हानिकारक है और इसे छोड़ देना चाहिए। एक विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण जो स्थानीय आवश्यकताओं को देखने में सक्षम हो और सभी मामलों में पारंपरिक ज्ञान का पूरी तरह से उपयोग कर सके, लेकिन विशेष रूप से बीजों की विविधता और जल/नमी संरक्षण के संदर्भ में, की आवश्यकता है। भारत में कृषि विकास की विशेषता अत्यधिक असमान रही है। इसका एक पहलू क्षेत्रीय असंतुलन है. दूसरा पहलू एक ओर मुख्य अनाजों और दूसरी ओर बाजरा, फलियां और तिलहन के बीच असंतुलन है। इन सभी असंतुलनों को ठीक किया जाना चाहिए। भारत को तिलहन और खाद्य तेलों सहित सभी प्रमुख खाद्य पदार्थों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। यह आत्मनिर्भरता यथाशीघ्र प्राप्त की जा सकती है और की जानी चाहिए। हमारे किसानों को सीधे नुकसान पहुंचाने वाले खाद्य और कृषि उत्पादों के आयात पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। सभी जीएम खाद्य पदार्थों सहित सभी खतरनाक खाद्य पदार्थों के आयात पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। चूंकि जीएम खाद्य पदार्थ और फसलें कई संदर्भों में बहुत हानिकारक हैं, इसलिए सभी जीएम खाद्य और गैर–खाद्य फसलों से बचना चाहिए। जहां तक घ्संभव हो अनाज, बाजरा, खाद्य तेल, फलियां, सब्जियां आदि की मुख्य खाद्य जरूरतों को पूरा करने के मामले में सभी क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। भोजन–मील कम होने की अवधारणा (भोजन नजदीक खाया जाना) उत्पादन के लिए) का सम्मान किया जाना चाहिए। सभी क्षेत्रों को अपने मुख्य खाद्य पदार्थों का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन करने का प्रयास करना चाहिए और साथ ही कठिन समय के लिए कुछ स्थानीय भंडारण भी रखना चाहिए। सभी क्षेत्रों को देश और दुनिया के किसी भी हिस्से में भूख से लड़ने के लिए दान करने के लिए कम से कम कुछ अतिरिक्त भोजन का उत्पादन करने का प्रयास करना चाहिए, जहां भी लोग भूखे हैं और फसल की विफलता या अन्य कारकों के कारण भोजन की आवश्यकता है। निःशुल्क लंगर और सामुदायिक रसोई जैसी पारंपरिक प्रथाओं का सम्मान और प्रचार किया जाना चाहिए। भूखमरी और कुपोषण को ख़त्म करना देश की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसे हासिल करने के लिए खेती और खाद्य उत्पादन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि क्षेत्र के लिए पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जाने चाहिए और इन्हें बिचौलियों को दिए जाने या उनके हितों की पूर्ति करने के बजाय सीधे किसानों तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण विकेंद्रीकृत स्तर पर फसल और खाद्य प्रसंस्करण को अधिकतम प्रोत्साहन मिलना चाहिए, पूरे प्रयास का नेतृत्व ग्रामीण महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। खेती और खाद्य प्रसंस्करण में महिलाओं के बड़े योगदान को पहचाना और सम्मान दिया जाना चाहिए। बेकार और हानिकारक प्रसंस्करण पर अंकुश लगाया जाना चाहिए जो प्राकृतिक भोजन के पोषण मूल्य को नष्ट कर देते हैं, या प्रसंस्करण के दौरान हानिकारक पदार्थों को शामिल करते हैं।

पारिस्थितिक कृषि पद्धतियों को सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भारत को पारिस्थितिक रूप से सुरक्षात्मक तरीकों से उत्पादित सुरक्षित, स्वस्थ और अत्यधिक पौष्टिक भोजन के केंद्र के रूप में प्रचारित किया जाना चाहिए। जो किसान और गाँव ऐसी खेती के तरीकों और उच्च पोषण और सुरक्षित खाद्य पदार्थों के उत्पादन में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, उन्हें उचित मूल्य के अलावा, सरकार और समुदाय से उदार पुरस्कार मिलना चाहिए। किसान और गाँव ऐसे तरीकों का उपयोग कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता और मिट्टी के जीवों की सुरक्षा, पानी के संरक्षण, परागणकों की सुरक्षा पर विशेष जोर देने के साथ जैव विविधता की सुरक्षा, सुरक्षित और पौष्टिक मुख्य भोजन और आवश्यक कच्चे माल (जैसे कपास और) के उत्पादन से जुड़े हुए हैं। जूट) को एक स्थायी और संतोषजनक आजीविका सुनिश्चित की जानी चाहिए और उन्हें पुरस्कृत और सम्मानित भी किया जाना चाहिए। विशाल मोनोकल्चर से बचना चाहिए और जहां तक घ्संभव हो मिश्रित कृषि प्रणाली का पालन करना चाहिए जिसमें कई मुख्य भोजन और अन्य फसलों के उत्पादन को पशुपालन, मुर्गी पालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन आदि के साथ जोड़ा जाता है। बीजों की विशाल और अमूल्य पारंपरिक विविधता को संरक्षित और पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि किसान अपनी सबसे बुनियादी जरूरत – अपनी स्थानीय परिस्थितियों के लिए आवश्यक बीजों की विविधता – के मामले में आत्मनिर्भर हो सकें। पारिस्थितिक रूप से सुरक्षात्मक, जैविक/प्राकृतिक कृषि प्रणालियों में उनके उच्च योगदान और आवश्यकता के कारण खेत जानवरों पर और भी अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। खेत के जानवरों के साथ सभी संबंध, चाहे गाय हो या केंचुआ या मधुमक्खी या मेंढक, उनके योगदान के प्रति सम्मान और करुणा पर आधारित होने चाहिए। कृषि–पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने के संदर्भ में मवेशियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है और उनकी स्वदेशी नस्लों को अच्छी तरह से संरक्षित किया जाना चाहिए। कृषि श्रमिकों के योगदान को बहुत सम्मान दिया जाना चाहिए। सरकार और सामुदायिक नीतियों को भूमिहीन कृषि श्रमिकों/ग्रामीण श्रमिकों को अच्छी मजदूरी और उचित सौदा सुनिश्चित करते हुए खेती, विस्तारित रसोई उद्यान आदि के लिए कुछ भूमि प्राप्त करने की सुविधा और प्रोत्साहित करना चाहिए। बटाईदारों के लिए उचित सौदा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। खेती छोटे (और मध्यम) किसानों के आधार पर होनी चाहिए। अधिकतम सीमा से अधिक भूमि को भूमिहीन ग्रामीण परिवारों के बीच वितरित किया जाना चाहिए। विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से सीख लेते हुए समानता और न्याय के पक्ष में निरंतर प्रयास को एक अभियान और सामाजिक आंदोलन के रूप में चलाया जाना चाहिए, जिससे उन सामाजिक परिस्थितियों का निर्माण हो सके जिनमें ग्रामीण भूमिहीन लोगों को न्याय और जमीन मिल सके। शराब, शराब, विलासितापूर्ण खाद्य पदार्थों और गैर–आवश्यक कच्चे माल के उत्पादन के लिए खाद्य फसलों के उपयोग को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। कृषि भूमि का सर्वोच्च प्राथमिकता उपयोग हमेशा स्वस्थ मुख्य खाद्य पदार्थों का पर्याप्त उत्पादन सुनिश्चित करके भूख और कुपोषण को समाप्त करने के लिए होना चाहिए। स्वास्थ्य की रक्षा, बर्बादी को कम करने और सभी के लिए पौष्टिक और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के हित में आधिकारिक खाद्य नीति द्वारा शराब, तम्बाकू, मांस, अत्यधिक प्रसंस्कृत और समृद्ध लक्जरी खाद्य पदार्थों की खपत में कमी की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। गांवों में, सरकार किसानों को तत्काल या अग्रिम उचित मूल्य देकर फसल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सीधे खरीद सकती है, और फिर फसल का यह हिस्सा (अनाज, बाजरा, तिलहन, दालें) गांव के भीतर राशन की दुकान के लिए संग्रहीत किया जा सकता है।

क्षेत्रीय पार्टियां लोगों को जाति और धर्म के आधार पर बांट रही हैं: आजाद

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर 2 मईरू डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने आज पुंछ और मंडी क्षेत्रों में रोड शो के दौरान जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर विभाजनकारी रणनीति के लिए क्षेत्रीय दलों की आलोचना की।

आजाद ने कांग्रेस के सदस्यों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की, उन्हें डर है कि लोकसभा के नतीजे घोषित होने से पहले ही पार्टी के सदस्यों में भारी कमी आ सकती है। उन्होंने कहा, ष्मैं कश्मीर स्थित क्षेत्रीय दलों को जाति और क्षेत्र के आधार पर हमारे लोगों को विभाजित करते हुए देखकर दुखी हूं। इससे हमारे सामाजिक ताने–बाने और एकता को नुकसान पहुंचता है। इन दलों से चुने गए सांसद सभी समुदायों के साथ न्याय कैसे कर सकते हैं, अगर वे एक से वोट मांगते हैं और दूसरे को अनदेखा करते हैं? यह खतरनाक है।ष्

उन्होंने डीपीएपी के मुख्य एजेंडे को दोहराया, जिसमें विकास, प्रगति और एकता पर इसके अटूट फोकस पर जोर दिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी संसद में किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव किए बिना सार्वजनिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए समर्पित है। आजाद ने कहा, ष्सांसद और विपक्ष के नेता के रूप में, मैंने सभी नागरिकों की वकालत की, चाहे उनकी धार्मिक या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो।ष् ष्चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई, हम किसी भी तरह

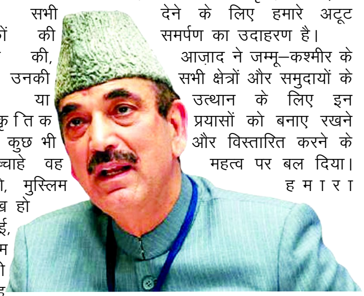

के भेदभाव के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।ष् उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे समाज में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान का सम्मान किया जाता है। हमारी प्रतिबद्धता सभी के लिए एकता, प्रगति और समावेशी विकास के लिए दृढ़ है।ष्

आजाद ने कॉलेजों, स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों की स्थापना को प्रमुख उपलब्धियों के रूप में बताया और ऐसी पहलों को जारी रखने की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ष्मुख्यमंत्री के रूप में, हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के पूरे जम्मू–कश्मीर में विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता दी।ष् शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का निर्माण प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे अटूट समर्पण का उदाहरण है।

आज़ाद ने जम्मू–कश्मीर के सभी क्षेत्रों और समुदायों के उत्थान के लिए इन प्रयासों को बनाए रखने और विस्तारित करने के महत्व पर बल दिया। हमारा एकमात्र एजेंडा दृढ़ हैरू क्षेत्र को व्यापक विकास की ओर ले जाना,श्श आज़ाद ने पुष्टि की। हम उन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं जो सभी निवासियों के जीवन को बेहतर बनाती हैं, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। हाल ही में कांग्रेस पार्टी से कई नेताओं के जाने पर, आज़ाद ने नतीजों की घोषणा से पहले ही पार्टी के रैंकों में संभावित कमी के बारे में आशंका व्यक्त की। आज़ाद ने पलायन के लिए तुष्टिकरण और अप्रभावी नेतृत्व के पैटर्न से मोहभंग को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, ष्यह चिंता. जनक है कि बड़ी संख्या में नेता तुष्टिकरण की संस्कृति और नेतृत्व की विफलताओं से निराश होकर पार्टी छोड़ रहे हैं।ष् गलत फीडबैक के साथ नेताओं को गुमराह करना प्रतिकूल है, और एक वफादार नेता कभी भी आलाकमान को धोखा नहीं देगा। यदि आलाकमान रचनात्मक सलाह पर ध्यान देने या उस पर कार्रवाई करने में विफल रहता है, तो अपमान सहने के बजाय पद छोड़ देना बेहतर होगा।श्श

आज़ाद ने जनता से अपील करते हुए उनसे अपने लोकसभा उम्मीदवार एडवोकेट का समर्थन करने का आग्रह किया। सलीम पार्रे, आगामी चुनाव में। उन्होंने पारे को ईमानदारी, युवावस्था और अटूट समर्पण का प्रतीक बताते हुए संसद में लोगों का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व करने की पारे की क्षमता पर भरोसा जताया।

आजाद ने घोषणा की, ष्मैं एक ऐसे उम्मीदवार के रूप में एडवोकेट सलीम पारे का तहे दिल से समर्थन करता हूं जो ईमानदारी, युवापन और सार्वजनिक सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।ष्

ष्मैं आपको आश्वासन देता हूं कि वह संसद में आपकी चिंताओं को उसी उत्साह और लगन के साथ उठाएंगे जैसा उन्होंने अतीत में दिखाया है।ष् इस अवसर पर जनरल सेक्रेटरी आर.एस. चिब, सेक्रेटरी रियाज नाज और अन्य लोग मौजूद थे।

एसआईए ने राजौरी में फरार लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी की संपत्ति जब्त की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू: जम्मू–कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि उसने राजौरी जिले में फरार लश्कर–ए–तैयबा आतंकवादी की संपत्ति कुर्क कर ली है।

राज्य जांच एजेंसी ने कहा कि उसने फरार आतंकवादी अब्दुल हमीद खान पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद सरवर खान निवासी पंजग्रेन (गंभीर ब्राह्मण) तहसील मंजाकोट जिला राजौरी की संपत्ति को यूए(पी) अधिनियम की धारा 33 के तहत कुर्क कर लिया है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि एफआईआर संख्या 05/2021 धारा 13, 17, 18, 20, 38, 39 यूए (पी)ए, आधिकारिक गुप्त अधि. नियम की धारा 3, पी/एस, जेआईसी/एसआईए जम्मू की धारा 201 आईपीसी के तहत थी। उसके और उसके अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है (1) मोहम्मद रफीक खान पुत्र मोहम्मद कयूम निवासी पंजग्रेन (गंभीर ब्राह्मण) तहसील मंजाकोट जिला राजौरी (2) गुरपाल सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी सिटी सुनाम जिला संगरूर, पंजाब। उक्त आतंकवादी वर्ष 1992 में जिला राजौरी के अन्य युवाओं के साथ हथियार प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान में घुसपैठ कर गया था और वर्तमान में वह लश्कर संगठन के तहत पाकिस्तान से काम कर रहा है।

वह जिला राजौरी में कई आतंकवादी हमलों/गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह स्लीपर सेल को सक्रिय करने और भारत गणराज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने के उद्देश्य से लश्कर के ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं के माध्यम से भोले–भाले युवाओं को लश्कर संगठन में शामिल होने के लिए आकर्षित करने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आतंकवादी अब्दुल हमीद खान सहित उक्त मामले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

एसआईए जम्मू ने राजौरी जिले के मंजाकोट तहसील के पंजग्रेन (गंभीर ब्राह्मण) गांव में खसरा नंबर 167 के तहत लाखों रुपये की अचल संपत्ति को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त संपत्ति की पहचान स्थानीय राजस्व कर्मचारियों द्वारा की गई है और पाया गया है कि यह उक्त फरार आतंकवादी के नाम पर दर्ज है। अब एसआईए जम्मू द्वारा नामित अदालत के आदेशों के अनुपालन में यूए(पी) अधि. नियम की धारा 33 के तहत खसरा नंबर 167 के तहत उक्त भूमि को जब्त कर लिया गया है, बयान में कहा गया है।

सीआईके ने बडगाम में आतंकवादी संगठन में शामिल होने की कोशिश कर रहे युवक को गिरफ्तार किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः जम्मू–कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने एक युवक को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर एक कट्टरपंथी आतंकवादी समूह में शामिल होने वाला था।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मध्य कश्मीर के बीरवाह बडगाम गांव का वसीम अहमद शेख कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी संचालकों के कहने पर अंसार गजवत–उल–हिंद (एजीएच) नामक कट्टरपंथी समूह में शामिल होने वाला था।

पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्हें 29 अप्रैल को सूचना मिली थी कि एजीएच कश्मीर में अपना आधार पुनः स्थापित करने तथा अपने कैडरों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा है।

इस आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाते हुए, एजीएच का एक पाकिस्तान स्थित आतंकी हैंडलर, जिसकी पहचान हमजा उर्फ गाजी के रूप में की गई है, कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश कर रहा है और उन्हें आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बना रहा है।

"आगे यह पता चला कि समूह ने कश्मीर घाटी में कुछ प्रतिबद्ध हाइब्रिड ओजीडब्ल्यू का ब्रेनवॉश किया है और उन्हें विकसित किया है और ये हाइब्रिड ओजीडब्ल्यू पाक आतंकवादी आकाओं के साथ मिलकर घाटी में आतंकवादी भर्ती अभियान की योजना बना रहे हैं। इनपुट को तकनीकी रूप से और विकसित किया गया और एक ब्रेनवॉश व्यक्ति वसीम अहमद शेख निवासी बीरवाह की जमीन पर पहचान की गई और तदनुसार पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, "बयान में कहा गया है।

इसमें कहा गया है, सीआईके की इस कार्रवाई से एजीएच आतंकवादी संगठन के एक भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है और कई युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने से बचाया गया है।

जम्मू-कश्मीर में रात का तापमान सामान्य से नीचे रहा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः जम्मू–कश्मीर में शुक्रवार को बादल छाए रहने के कारण रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन यह सामान्य से नीचे रहा।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने यहां बताया कि जम्मू में पिछली रात के 15.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह जम्मू–कश्मीर की शीतकालीन राजधानी के लिए सामान्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस कम है। उन्होंने बताया कि बनिहाल में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 9.5 डिग्री सेल्सियस और भद्रवाह में 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में पिछली रात के 5.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और साल के इस समय में यह जेके की ग्रीष्मकालीन राजधानी के लिए सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम है।

उन्होंने कहा कि काजीगुंड में न्यूनतम तापमान पिछली रात के 3.6 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह कश्मीर के प्रवेश द्वार शहर के लिए सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है।

पहलगाम में पिछली रात के 1.0 डिग्री सेल्सियस के मुक. ाबले न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह दक्षिण कश्मीर के प्रसिद्ध रिसॉर्ट के लिए सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम था।

अधिकारी ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम था।

अधिकारी ने कहा, कुपवाड़ा शहर में न्यूनतम तापमान पिछली रात के 4.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह वहां सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस कम था।

लोकसभा चुनाव 2024: डीईओ बाला ने मतदाता भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्वीप के तहत छात्र और टोंगा रैली को हरी झंडी दिखाई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूलाः लोकतांत्रिक उत्साह के गतिशील प्रदर्शन में, जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) बारामूला, मिंगा शेरपा ने नोडल अधिकारी एमसीसी, सैयद कमर सज्जाद, नोडल अधिकारी एमसीएमसी, डॉ. जहूर अहमद रैना की उपस्थिति में आज अपनी तरह की पहली टोंगा रैली को हरी झंडी दिखाई।

डाक बंगला बारामूला से, जिसका उद्देश्य मतदाता जागरूकता बढ़ाना और लोगों को 20 मई को 1– बारामूला संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

ऐतिहासिक सीमेंट ब्रिज पर समाप्त होने से पहले मुख्य बारामूला शहर की सड़कों से गुजरने वाली अनोखी तांगा रैली में स्थानीय समुदाय की व्यापक भागीदारी हुई, जिसमें चुनावी प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी के महत्व पर जोर दिया गया।

समारोह के दौरान बोलते हुए, डीईओ ने रेखांकित किया कि इन कार्यक्रमों और रैलियों के आयोजन का लक्ष्य चुनावी साक्षरता को बढ़ावा देना और चुनाव प्रक्रिया के बारे में जागरूकता फैलाना है, जिससे मतदाताओं, विशेष रूप से पहली बार मतदाताओं को चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

डीईओ ने चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी को अधिकतम करने के लिए स्वीप के तहत की गई जीवंत गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से मतदाताओं को शिक्षित करने में जिला प्रशासन के प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि ऐसी गतिविधियों की आवृत्ति केवल 1–बारामूला के मतदान दिवस के रूप में तेज होगी।

संसदीय क्षेत्र आ रहा है. बाद में, डीईओ ने डाक बंगला बारामूला से एक छात्र रैली को हरी झंडी दिखाई, जिसमें पहली बार मतदाताओं को शिक्षित करने और प्रेरित करने के उत्साह से प्रेरित सैकड़ों छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई।

गुरेज में दूसरा दिनः डीसी बांदीपोरा तहसील तुलैल के दूरदराज के इलाकों में पहुंचे

जनता से बातचीत की, मतदान केंद्रों का दौरा किया; स्वीप के तहत जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बांदीपुराः गुरेज के सीमावर्ती क्षेत्र के अपने व्यापक दौरे के दूसरे दिन जारी रखते हुए, बांदीपुरा के उपायुक्त (डीसी), शकील उल रहमान ने आज गुरेज उप–मंडल की तहसील तुलैल के दूरदराज के क्षेत्रों का दौरा किया।

इस दौरे में विभिन्न मतदान केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों और शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया गया, साथ ही जन संपर्क सत्रों में सक्रिय भागीदारी और एसवीईईपी के तहत जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

जन संपर्क के दौरान डीसी ने स्थानीय लोगों के साथ जन कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक और खुली चर्चा की। सामने आए मुद्दों में सड़कों का उन्नयन, बिजली के बुनियादी ढांचे में सुधार, राशन वितरण, भूमि अधिग्रहण, पर्यटन बुनियादी ढांचे, विभिन्न विभागों में जनशक्ति की कमी, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का उन्नयन और सार्वजनिक महत्व के अन्य मामले शामिल थे।

चिंताओं और सार्वजनिक मुद्दों के त्वरित निवारण का आश्वासन देते हुए, डीसी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से वास्तविक सार्वजनिक शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

डाक बंगला डावर में, स्वीप के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मतदाता शिक्षा, जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में पारंपरिक शीना भाषा के गीतों सहित क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाते सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए।

इसके अतिरिक्त, एक पेंटिंग प्रतियोगिता ने चुनावों के दौरान सूचित निर्णय लेने के महत्व को रेखांकित किया।

युवाओं और पहली बार मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए, डीसी ने स्वीप पहल के तहत आयोजित वॉलीबॉल मैच में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे मतदाता जागरूकता और खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डीसी ने सभी पात्र मतदाताओं द्वारा अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने और चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे स्वीप गतिविधियाँ नागरिकों को चुनावी प्रक्रियाओं, मतदान के अधिकारों और लोकतांत्रिक ढांचे को आकार देने में उनकी भागीदारी के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं।

शकील उल रहमान ने तुलैल के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और आगामी चुनावों की तैयारियों का आकलन करने के लिए मतदान केंद्रों और स्कूलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं की कार्यक्षमता का भी मूल्यांकन किया।

अपने स्कूल दौरे के दौरान, डीसी ने जीएमएस ज़द्गे, एचएसएस पीटीएल और एमएस काशपोट में छात्रों के साथ बातचीत की और उपलब्ध सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिक्रिया मांगी।

तुलैल क्षेत्र के दौरे के दौरान, डीसी नेरू, बडुगाम, ज़डगे, शेखपोरा, पीटीएल, काशपोट और अन्य क्षेत्रों सहित कई पड़ावों पर जनता के साथ खुले विचार–विमर्श और बातचीत में लगे रहे।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने बडुगाम और शेखपोरा में राजस्व कार्यालयों और पीएचसी का भी निरीक्षण किया।

युवा संगम चरण–4: निदेशक ने एनआईटी श्रीनगर में छात्रों को हरी झंडी दिखाई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर, प्रो. ए. रविंदर नाथ, संस्थान के रजिस्ट्रार, प्रो. अतीकुर के साथ रहमान ने शनिवार को युवा के चौथे चरण के तहत छात्रों को एक सप्ताह के भ्रमण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संगम 2024. डीन योजना एवं विकास, डॉ. यशवंत मेहता, संपदा अधिकारी डॉ. कार्तिक दसारी , डॉ. जननी एल. और अन्य शिक्षण एवं गैर–शिक्षण स्टाफ सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के 22 जिलों के विभिन्न संस्थानों से लगभग 45 छात्रों को युवा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया था। संगम ़ कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के तहत शुरू किया गया । इसके अलावा समूह के साथ पांच छात्र स्वयंसेवक भी हैं। इस अवसर पर एनआईटी श्रीनगर के निद. शक प्रोफेसर ए रविंदर मौजूद थे नाथ ने छात्रों को भारतीय संस्कृतियों की समृद्ध विविधता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने अपने छात्र जीवन के दौरान शैक्षिक दौरों के अपने अनुभवों को साझा किया और सीखने के इस अवसर के महत्व पर जोर दिया।

यह आपके लिए खोज करने और बढ़ने का मौका है। कल, आप नेता हो सकते हैं, और यह अनुभव आपको आकार देगा। आम तौर पर नेता तीन तरीकों से उभरता है, एक है चुनाव, चयन और वर्चस्व। इसका मतलब है कि आपको चुना जा रहा है और आप नेता हैं।ष् ष् उसने कहा।

संस्थान के रजिस्ट्रार प्रो अतीकुर रहमान ने कहा कि एक्सपोज़र टूर हमें विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के बारे में सिखाते हैं। यह हमें विविधता को महत्व देने और उसका सम्मान करने में मदद करता है, हमें दिखाता है कि यह लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करता है। जब हम नई जगहों पर जाते हैं और विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करते हैं, तो इससे रचनात्मकता और नए विचारों का उदय होता है।" युवा ंसंगम ़ का उद्देश्य लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना और हमारे देश के युवाओं के बीच सहानुभूति को बढ़ावा देना है। एनआईटी श्रीनगर भविष्य में भी ऐसे प्रयासों का समर्थन करता रहेगा, प्रोफेसर रहमान ने कहा। छात्र महाराष्ट्र का दौरा करेंगे और दौरे के दौरान, छात्रों के लिए भोजन, यात्रा और आवास शुल्क मेजबान संस्थानों द्वारा वहन किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को, भाग लेने वाले छात्रों के लिए एक व्यापक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें आगामी सप्ताह भर के एक्सपोजर टूर की तैयारी के लिए आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया गया था। इस कार्यक्रम में निदेशक एनआईटी श्रीनगर, रजिस्ट्रार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ईबीएसबी के नोडल अधिकारी डॉ. रंजीत कुमार राउत ने भी चयन प्रक्रिया का एक सिंहावलोकन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के हर जिले को कार्यक्रम में शामिल किया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एनआईटी श्रीनगर को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख से 1892 आवेदन प्राप्त हुए । उनमें से, 45 छात्रों को ईबीएसबी 2024 कार्यक्रम के लिए चुना गया था और अतिरिक्त 5 स्वयंसेवक चयनित छात्रों के साथ रहेंगे। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में डॉ. रणजीत कुमार राउत, डॉ. मोहम्मद शामिल हैं मोहसिन खान, डॉ. नितिका कुंदन , जबकि डॉ. पंकज कुमार और डॉ. मोहम्मद रफीक तेली क्रमशः सोशल मीडिया अधिकारी और पीआर अधिकारी हैं। ईबीएसबी के पीआर अधिकारी, डॉ. मोहम्मद रफीक तेली ने बताया कि एनआईटी श्रीनगर जम्मू–कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के लिए चरण ़ के लिए नोडल संस्थान है।

कश्मीर शांति चाहता है, पत्थरबाजी–बंद युग की वापसी नहींः राणा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू। चल रहे चुनावों को वोट की शक्ति के माध्यम से शांति और परिवर्तन के लिए प्राथमिकता प्रदर्शित करने का एक अवसर बताते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री देवेंदर सिंह राणा ने आज कहा कि कश्मीर के लोग घाटी को पीछे धकेलने की किसी भी साजिश के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे। निहित स्वार्थ के लिए राजनीतिक अभिनेताओं द्वारा प्रचारित पथराव और बंद का युग।

घाटी के राजनीतिक रूप से बुद्धिमान लोगों को शोषक नेताओं से यह पूछने का अधिकार है कि वे अपने कार्यकाल के दौरान पथराव और बंद की भयानक संस्कृति को समाप्त करने में विफल क्यों रहे, जो कि पिछले चार वर्षों से अधिक समय से एक भयावह वास्तविकता है, श्री राणा ने पूर्व मंत्री और उपाध्यक्ष भाजपा श्री शाम लाल शर्मा की उपस्थिति में डोगरा ग्रामीण ब्राह्मण सभा सहित पूर्व सैनिकों, पेंशनभोगियों, वरिष्ठ नागरिकों, तेली बिरादरी और पंचायत डूमी के अन्य प्रतिनिधिमंडलों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत के दौरान कहा– मालपुर, पंचायत मढ़, सेटनी बाईपास, पंचायत खानपुर और पंचायत शोवा। उन्होंने कहा कि लोग इतने समझदार हैं कि वे यह निर्णय कर सकें कि पथराव की नियमित गतिविधियों को किसने बढ़ावा दिया, जिससे न केवल आर्थिक गतिविधि और शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हुईं, बल्कि सैकड़ों निर्दोष युवा मारे गए और अपंग हो गए। लोगों को अब यह भी समझ में आ गया है कि उबलता कश्मीर सत्ता के गलियारों को फिर से स्थापित करने के लिए उनका राजनीतिक निवेश था। उन्होंने कहा, एक तरफ उन्होंने लोगों की संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ किया और दूसरी तरफ वे सत्ता से जुड़े रहने के लिए अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली को धमकाते रहे। "बदले हुए परिदृश्य में, हालांकि, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार, सामान्य रूप से जम्मू–कश्मीर और विशेष रूप से घाटी के लोग अब पथराव के अशांत युग को छोड़कर, शांति के पक्ष में अपने दृढ़ रुख को मजबूती से व्यक्त कर रहे हैं। और बंद स्थिरता और प्रगति का एक बड़ा मौका देने के अलावा। उन्होंने कहा कि शांति की सामूहिक आकांक्षा को अपनाते हुए, सद्भाव, समृद्धि और समावेशी विकास को मजबूत करने के लिए कश्मीर दृढ़ संकल्प अटूट है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लोग अब हिंसा के अपराधियों का समर्थन नहीं करेंगे, जिन्होंने आतंक पैदा करने के लिए बंदूक लहराने वालों की तुलना में उनके लिए बहुत अधिक तनाव और दबाव लाया है। वास्तव में, राजनीतिक अभिनेताओं ने पत्थरबाजों को ढाल प्रदान की, उन्होंने कहा, यह देखकर कि शांति से सब कुछ फर्क पड़ रहा है, कश्म. ीरियों के ये स्वयंभू प्रतिनिधि मूर्ख हैं क्योंकि उनके नकली आख्यान बेनकाब हो गए हैं। बदलते मिजाज को समझते हुए भी ये नकारे नेता भेड़ियों का चरित्र नहीं छोड़ रहे हैं, जो दांत तो खो देते हैं, लेकिन स्वभाव नहीं। उन्होंने कहा कि छल और कपट के राजनेताओं ने दोनों दुनियाओं में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए चार दशकों से अधिक समय तक अपनी पारी चालाकी से खेली है।

औषधि नियंत्रण विभाग ने कुलगाम में दवा बिक्री प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कुलगामः दवा बिक्री दुकानों की 100: सीसीटीवी निगरानी और कम्प्यूटरीकृत बिलिंग प्रणाली को प्राप्त करने के लिए कुलगाम जिले में सरकार के निर्देशों के अनुपालन में गहन अभियान चल रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य और उद्देश्य अनुस. ूचित फॉर्मूलेशन की बेईमान बिक्री को रोकना है। आज कुलगाम के शूरत तुली नौपोरा, सरंडू मिरहामा, पोम्बे, गोपालपोरा और निहामा सहित विभिन्न क्षेत्रों में खुदरा और थोक प्रतिष्ठानों के 17 निरीक्षण किए गए।

सभी निरीक्षणित फर्मों में उच्च रिजोल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए हुए पाए गए।

चार फर्मों को मौके पर ही कम्प्यूटरीकृत बिलिंग प्रणाली स्थापित करने के निर्देश दिए गए तथा अभिलेखों के रखरखाव के लिए सीबीएस प्रणाली स्थापित न करने पर एक फर्म को बंद कर दिया गया। दूरदराज के क्षेत्रों के दवा विक्रेताओं को सीबीएस की स्थापना तथा इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए इसके लाभों के बारे में जागरूक किया गया।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

पुलिस पर्यवेक्षक ने बारामूला पीसी में मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूलाः 1–बारामूला संसदीय क्षेत्र (पीसी) के पुलिस पर्यवेक्षक रविशंकर छवि ने आज चुनावी प्रक्रिया के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बारामूला में मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम का व्यापक निरीक्षण किया। नोडल अधिक. ारी एमसीसी, सैयद कमर सज्जाद, उप जिला चुनाव अधिकारी अब रहमान भट, मुख्य योजना अधिकारी, जावेद अहमद और नागरिक और पुलिस अधिकारियों की एक टुकड़ी के साथ, इस दौरे का उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना था। –बारामूला संसदीय क्षेत्र।

निरीक्षण में मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम में सुरक्षा प्रोटोकॉल, रसद व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया। संभावित खतरों से बचाव और मतगणना प्रक्रिया की अखंडता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। उपस्थित अधिकारियों द्वारा पुलिस पर्यवेक्षक को सुरक्षा उपायों और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा बताया गया कि जिला प्रशासन ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में सभी आवश्यक उपायों को तत्परता से लागू किया है। रविशंकर ने चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय लागू करने के महत्व को दोहराया और पुलिस अधिकारियों को पूरी सतर्कता बनाए रखने तथा पूरे चुनाव अवधि के दौरान सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मनदीप कौर ने श्रीनगर के उपनगरीय क्षेत्रों का दौरा किया, जल निकासी स्टेशनों के कामकाज का आकलन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर। आयुक्त सचिव, आवास और शहरी विकास विभाग (एचयूडीडी), मंदीप कौर ने आज विभिन्न स्थानों पर स्थापित डीवाटरिंग स्टेशनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर के कई उपनगरीय इलाकों का व्यापक दौरा किया।

आयुक्त एसएमसी, डॉ. ओवैस अहमद, अधीक्षक अभियंता ड्रेनेज एसएमसी, कार्यकारी अभियंता ड्रेनेज एसएमसी और अन्य संबंधित अधिकारी आयुक्त सचिव के साथ थे।

आयुक्त सचिव ने आलमदार कॉलोनी, मदीना कॉलोनी हुमहामा का दौरा किया और वहां स्थापित स्थायी जल निक. ासी स्टेशनों का जायजा लिया। उन्होंने अलकरीम कॉलोनी में मोबाइल ऑटो प्राइम जल निकासी इकाई और तौहीद में जल निकासी मोबाइल इकाई का भी निरीक्षण किया बाग हुमहामा के अलावा नादरू स्थायी जल शोधन स्टेशन पीरबाग ।

अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए, आयुक्त सचिव ने सार्वजनिक सुरक्षा की सुरक्षा, परिवहन की सुविधा और आवश्यक सेवाओं में संभावित व्यवधानों को कम करने के लिए त्वरित और प्रभावी जल निकासी उपायों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से बाढ़ की अधिकतम संभावना वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने और ऐसे स्थानों पर पर्याप्त संख्या में डीवाटरिंग पंप तैनात करने का आह्वान किया।

उन्होंने अधिकारियों से मौसम विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने को कहा ताकि किसी भी प्रतिकूल मौसम की चेतावनी के मामले में समय पर प्रतिक्रिया ली जा सके।

आयुक्त सचिव ने शहर के ऊपरी इलाकों में जलभराव वाले क्षेत्रों की समय पर और कुशल निकासी सुनिश्चित करने की दिशा में परिश्रमपूर्वक काम करने के लिए एसएमसी फ्रंटलाइन योद्धाओं, स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

मौजूदा भाजपा सांसद लद्दाख में पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार में शामिल हुए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

लेहः लद्दाख से भाजपा के निवर्तमान सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, जिन्होंने टिकट न दिए जाने पर केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ शविद्रोहश किया था, ने शुक्रवार को पार्टी उम्मीदवार ताशी ग्यालसन को अपना समर्थन देने का वादा किया, जिससे पार्टी खेमे में एक सप्ताह से अधिक समय से चल रही अनिश्चितता समाप्त हो गई।

हालाँकि, कांग्रेस की लद्दाख इकाई में सब कुछ ठीक नहीं है, जो लेह और कारगिल जिलों के बीच विभाजन का सामना कर रही है।

कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार त्सेरिंग नामग्याल, जो लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी), लेह में विपक्ष के नेता भी हैं, ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जबकि पार्टी की कारगिल इकाई शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता हाजी हनीफा जान के साथ थी, जब उन्होंने सहायक रिटर्निंग अधिक. ारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस निर्वाचन क्षेत्र में कड़ी टक्कर होने की संभावना है, क्योंकि कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रमुख नेताओं में से एक सज्जाद कारगिली ने भी शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

अपने समर्थकों के साथ भाजपा सांसद नामग्याल लेह स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे और ग्यालसन को अपना समर्थन दिया, जो एलएएचडीसी, लेह के अध्यक्ष–सह–मुख्य कार्यकारी पार्षद भी हैं।

उन्होंने कहा, श्मैं भाजपा में दोबारा शामिल नहीं हुआ हूं जो मेरा घर और मेरा परिवार है। एक परिवार के भीतर कभी–कभी मतभेद पैदा हो जाते हैं लेकिन मैं भाजपा, (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी या ग्यालसन से नाराज नहीं हूं।

मुझे यकीन है कि भाजपा लद्दाख लोकसभा सीट पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखेगी और आम चुनाव में 400 सीटों के हमारे लक्ष्य में से एक लद्दाख भी होगी।श

नामग्याल ने कहा कि वे लद्दाख के उज्ज्वल भविष्य, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे उठाएंगे।

मुख्य सचिव ने झेलम और तवी बाढ़ पुनर्प्राप्ति परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने आज यहां सिविल सचिवालय में विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित झेलम और तवी बाढ़ पुनर्प्राप्ति परियोजना (जेटीएफआरपी) की प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आर्थिक पुनर्निर्माण एजेंसी (ई. आर.ए.), डॉ. सेहरिश असगर ने अब तक हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान बताया गया कि छह लाइन विभागों से अति. रिक्त कार्यों के प्रस्ताव विश्व बैंक को सौंपे गए थे, जिनमें से चार प्रस्तावों को विश्व बैंक से मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा, चर्चा हड्डी और संयुक्त अस्पताल और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने पर केंद्रित थी।

मुख्य सचिव ने इन नई परियोजनाओं के लिए दी गई समयसीमा के भीतर त्वरित खरीद प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधितों से लल्ला का पीछा करने का भी आग्रह किया डेड हॉस्पिटल प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द विश्व बैंक से मंजूरी मिल जाएगी ताकि इसे आगे बढ़ाया जा सके।

लल्ला को आगे बढ़ाते हुए 49 डीवाटरिंग स्टेशनों को अपग्रेड करने की प्रगति की भी समीक्षा की गई डेड अस्पताल परियोजना दस्तावेज़ीकरण, राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र संरचना और चल रही इलेक्ट्रो–मैकेनिकल घटक खरीद को पूरा करना।

इसके अलावा, एकीकृत परिचालन पूर्वानुमान प्रणाली (आईओएफएस), डिजिटल जोखिम डेटाबेस (डीआरडीबी) और पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) प्रणालियों के कार्यान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई।

विशेष रूप से, यह बताया गया कि पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) परियोजना ने 80 डीवाटरिंग स्टेशनों में से 72 को जोड़ा है और श्रीनगर नगर निगम द्वारा दूर से संचालित करने के लिए तैयार हैं।

घुसपैठिए को सैनिकों की सतर्कता का परीक्षण करने के लिए भेजा गया होगाः बीएसएफ आईजी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मूः बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर मारे गए एक घुसपैठिये को संभावित घुसपैठ के प्रयास के लिए क्षेत्र की टोह लेने और सैनिकों की सतर्कता का परीक्षण करने के लिए भेजा गया होगा। .

अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने बुधवार रात अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सांबा की रीगल पोस्ट पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और एक घुसपैठिए को मार गिराया। गुरुवार को घटनास्थल से घुसपैठिए का शव बरामद किया गया. "सैनिकों ने बुधवार रात करीब 8रू15 बजे सीमा पार से हलचल देखी। इसकी बारीकी से निगरानी की गई. घुसपैठिया पहले सीमा पर पहुंचा और फिर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया। सैनिकों द्वारा चुनौती दिए जाने के बावजूद वह आक्रामक तरीके से आगे बढ़ते रहे। दो बार और चुनौती दिए जाने के बाद भी, घुसपैठिया नहीं रुका, जिसके कारण सैनिकों ने उस पर गोलीबारी की, "बीएसएफ महानिरीक्षक (आईजी) डीके बूरा ने यहां एक अग्रिम चौकी के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए को इलाके की टोह लेने और सीमा पर सुरक्षा का आकलन करने के लिए भेजा गया होगा।

"घटना स्थल के पास तटबंध में एक गैप है और एक गेट भी है, जो आमतौर पर बंद रहता है। उसने सीमा का उल्लंघन करने का प्रयास किया। ऐसी संभावना है कि (सीमा) पार से और भी लोग उसका पीछा कर रहे थे, लेकिन वे (सैनिकों को) दिखाई नहीं दे रहे थे,श अधिक. ारी ने कहा।

नागरिक उड्डयन सचिव ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर सुविधाओं के उन्नयन की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः नागरिक उड्डयन सचिव, ऐजाज़ असद ने आज श्रीनगर हवाई अड्डे पर चल रहे अन्य विकास कार्यों का जायजा लेने के अलावा, मौजूदा बुनियादी ढांचे के उन्नयन की समीक्षा की।

सचिव ने इस संबंध में आयोजित अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रस्तावित स्थल पर कुछ भूमि बाधाओं से अवगत कराने के अलावा, विभिन्न सुविधाओं और श्रीनगर हवाई अड्डे के विस्तार योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने प्रस्थान और सुरक्षा होल्ड क्षेत्रों में विभिन्न यात्री सुविधाओं, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम के उन्नयन, सीएटी–।। स्थापना, हज उड़ान संचालन की तैयारियों, विस्तार योजनाओं के लिए भूमि के अधिग्रहण सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया।

सचिव ने संबंधित एजेंसियों को सीएटी–ए की स्थापना, ड्रॉप गेट से सटे भूमि के हस्तांतरण, भूमि के टुकड़े को सौंपने के साथ–साथ परियोजना के सुचारू निष्पादन से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्देश जारी किए।

उन्होंने हवाई अड्डे पर यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया और सभी यात्रियों के लिए एक सहज और कुशल यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण विकसित करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए एयरलाइनों को शिकायत निवारण में तत्पर रहना चाहिए।

उन्होंने मक्का और मदीना के पवित्र तीर्थस्थल पर हज यात्रियों के प्रस्थान के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जाएँ।

उन्होंने सुचारू और परेशानी मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच घनिष्ठ तालमेल और समन्वय पर भी जोर दिया। इस संबंध में, संबंधित एयरलाइन प्रतिनिधियों ने सचिव को मक्का की पवित्र यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए उड़ान व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उड़ानों की रवानगी 9 मई से शुरू होगी जबकि तीर्थयात्रियों की अंतिम उड़ान 25 मई को रवाना होगी।

डीसी बांदीपोरा ने गुरेज के 2 दिवसीय व्यापक क्षेत्र दौरे की शुरूआत की

मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया, चुनाव स्ट्रांग रूम की व्यवस्था का आकलन किया, केवीके गुरेज का दौरा किया, जनता से बातचीत की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बांदीपोरा। बांदीपोरा के उपायुक्त (डीसी) ने गुरुवार को गुरेज का दो दिवसीय व्यापक दौरा किया और लोकसभा चुनाव–2024 के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) और अन्य आवश्यक तैयारियों का आकलन करने के लिए विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

डीसी ने अधिकारियों की एक टीम के साथ इजमर्ग, कंजलवान, नाइल, डावर तथा अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का दौरा किया तथा डावर में स्थापित चुनाव स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

मतदान केंद्रों के अपने दौरे के दौरान, डीसी ने संबंधित अधिकारियों को ईसीआई दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, मतदाता पहुंच की गारंटी देने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के अलावा सभी आवश्यक उपायों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

उन्होंने बिजली, पेयजल, स्वच्छता सुविधाओं और पहुंच रैंप जैसी अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और कार्यक्षमता पर जोर दिया। गवर्नमेंट मिडिल स्कूल इज़मार्ग में, जो एक मतदान केंद्र भी है, डीसी ने छात्रों के साथ बात. चीत की और स्कूल में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का आकलन करने के अलावा शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने केवीके बागतोर का भी दौरा किया और केवीके बागतोर में किए गए विभिन्न कार्यक्रमों और प्रशिक्षण गतिविधियों का जायजा लिया। बागटोर, कंजलवान, नाइल, दावर और अन्य क्षेत्रों सहित गुरेज के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते हुए डीसी ने जनता से बातचीत की, उनकी चिंताओं को सुना और लोक कल्याण के मुद्दों पर फीडबैक लिया।

स्थानीय लोगों ने सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार, शैक्षिक संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का उन्नयन, शिक्षकों की उपलब्धता और विषय विशेष व्याख्यान, परिवहन सुविधाओं का उन्नयन, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, मोबाइल कनेक्टिविटी के अलावा सार्वजनिक महत्व के अन्य मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दे उठाए।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

सामान्य पर्यवेक्षक ने 9-उरी एसी का दौरा किया; लोकसभा चुनाव के लिए मतदान केंद्रों पर एएमएफ सुनिश्चित करता है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूलाः 1–बारामूला संसदीय क्षेत्र में 20 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनावों के मद्देनजर, 1–बारामूला संसदीय क्षेत्र के जनरल ऑब्जर्वर दीपेंद्र सिंह कुशवाह ने एआरओ 9–उड़ी विधानसभा क्षेत्र जाविद अहमद राथर के साथ आज उपमंडल उड़ी के अंतर्गत डिस्पैच सेंटर और विभिन्न मतदान केंद्रों का व्यापक निरीक्षण किया।

इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी मतदान केंद्रों पर ईसीआई के दिशा–निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) उपलब्ध हों।

सभी मतदाताओं के लिए सुचारू और प्रभावी मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक साइट पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का व्यापक मूल्यांकन किया गया।

दौरे के दौरान, पर्यवेक्षक ने उरी स्थित डिस्पैच सेंटर का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का आकलन किया, जहां से लोकसभा चुनावों के दौरान विधानसभा क्षेत्र के अलग–अलग मतदान केंद्रों पर मतदान दलों और चुनाव सामग्री का वितरण किया जाएगा।

दीपेंद्र सिंह ने सीमावर्ती गांवों में कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और रैंप की उपलब्धता, स्वच्छता सुविधाओं, पीने के पानी और बिजली की आपूर्ति जैसे विभिन्न आवश्यक पहलुओं का व्यापक मूल्यांकन किया – ये सभी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) के अंतर्गत आते हैं। ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार मतदान दलों को प्रदान किया जाना है।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए, सामान्य पर्यवेक्षक ने मतदाताओं और मतदान स्टाफ सदस्यों दोनों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया।

इस बीच, दीपेंद्र सिंह ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों में शामिल सभी हितधारकों को मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी और चुनावी प्रक्रिया की सफलता की गारंटी के लिए निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

डीएचएस कश्मीर और श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बालटाल बेस अस्पताल का दौरा किया

एसएएनजेवाई 2024 के लिए स्वास्थ्य देखभाल तैयारियों की समीक्षा करें

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गांदरबलः निदेशक स्वास्थ्य सेवा (डीएचएस) कश्मीर, डॉ. मुश्ताक अहमद राथर और राय के नेतृत्व में श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने आगामी श्री अमरनाथजी यात्रा (एसएएनजेवाई) 2024 के लिए स्वास्थ्य देखभाल तैयारियों की निगरानी के लिए आज बालटाल बेस अस्पताल का दौरा किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, डॉ. राथर ने स्वास्थ्य देखभाल उपायों का जायजा लिया और सुनिश्चित किया कि सभी व्यवस्थाएँ वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए आवश्यक मानकों को पूरा करती हैं। यात्रा के दौरान, डॉ. राथर और राय ने अस्पताल की सुविधाओं का निरीक्षण किया और आपातकालीन तैयारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा आपूर्ति, उपकरण और सेवाओं का आकलन किया, यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए आवश्यक सुधार पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

डॉ. राथर ने एसएएनजेवाई प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समुदाय की सेवा के लिए अस्पताल के कर्मचारियों की समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की और अन्य स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा एजेंसियों के साथ निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

जैसे–जैसे संजय 2024 नजदीक आ रहा है, कश्मीर का स्वास्थ्य सेवा विभाग सभी तीर्थयात्रियों के लिए मजबूत चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने और उनकी यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए समर्पित है।

डीडीसीए बांदीपोरा ने खैर में नशीली दवाओं की मांग में कमी लाने के लिए आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बांदीपुराः नशीली दवाओं के दुरुपयोग की ज्वलंत समस्या से निपटने के लिए एक ठोस प्रयास के तहत, जिला नशा मुक्ति केंद्र (डीडीएसी) बांदीपुरा ने आज बांदीपुरा के खयार में नशीली दवाओं की मांग में कमी लाने पर एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में आईसीडीएस और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर, प्रतिभागियों के बीच पोस्टर और पैम्फलेट वितरित किए गए, जो सूचनात्मक उपकरण के रूप में काम करते थे, नशीली दवाओं की लत के हानिकारक प्रभावों और पुनर्प्राप्ति के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में जागरूकता बढ़ाते थे। सभा को संबोधित करते हुए, डीडीएसी के काउंसलर, मुदासिर नज़ीर ने पुनर्वास प्रयासों में मनोवैज्ञानिक समर्थन के महत्व पर जोर दिया। डीडीएसी से सुमीना शफी ने मादक द्रव्यों के सेवन से जुड़े गंभीर चिकित्सा निहितार्थों पर प्रकाश डाला, साथ ही डीडीएसी बांदीपोरा में दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं की श्रृंखला को भी रेखांकित करता। डीडीएसी के एक अधिकारी अफ़रोज़ा ने नशीली दवाओं की लत के संकट से निपटने में समाज, समुदाय और व्यक्तिगत भागीदारी की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया। यह कार्यक्रम उद्देश्य और दृढ़ संकल्प की नई भावना के साथ संपन्न हुआ, क्योंकि प्रतिभागियों ने नशीली दवाओं की मांग को रोकने और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रही पहलों का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ली।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

डीईओ पुलवामा ने डीसीआरसी, युवाओं, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए नामित पीएस का गहन निरीक्षण किया

स्थैतिक निगरानी टीमों का भी निरीक्षण करता है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

पुलवामाः जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) पुलवामा, डॉ. बशारत कयूम ने आज पुलवामा में विभिन्न डिस्पैच कम रिसीट केंद्रों (डीसीआरसी) का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पुलवामा, पंपोर और त्राल विधानसभा क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को शामिल किया गया, जिसमें निर्बाध चुनाव प्रक्रिया के लिए प्रत्येक स्थान पर मतदान दलों के वितरण और प्राप्ति, रसद व्यवस्था और परिवहन योजना जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया गया।

जिले भर में 2–श्रीनगर पीसी के लिए आम लोकसभा चुनाव 2024 के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ, डॉ. बशारत ने सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन के महत्व पर बल दिया। परिवहन योजना और अन्य व्यवस्थाओं की जांच के अलावा, डीईओ ने युवाओं, महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए बनाए गए विभिन्न मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में सुगमता और दक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला। ध्यान और समर्पण का यह स्तर आगामी चुनाव के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करता है और पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने में योगदान देता है।

बाद में डीईओ ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर स्थैतिक निगरानी टीमों का भी निरीक्षण किया।

ये निरीक्षण पुलवामा जिले में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और समावेशिता को बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग और स्थानीय अधिकारियों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

डीईओ बीशपोरा ने चुनाव प्रचार कक्ष, नियंत्रण कक्ष, एमसीएमसी और डाक मतदान काउंटर का निरीक्षण किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बांदीपोराः जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) बांदीपोरा, शकील उल रहमान ने शनिवार को मिनी सचिवालय बांदीपोरा में स्थापित चुनाव स्ट्रांग रूम, नियंत्रण कक्ष, एमसीएमसी और पोस्टल वोटिंग काउंटर का व्यापक निरीक्षण किया।

डिप्टी डीईओ मोहम्मद रफीक भट, एसीडी मुमताज अहमद पीर के साथ डीईओ ने चुनाव नियंत्रण कक्ष और एमसीएमसी के कामकाज के बारे में प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया और स्ट्रांग रूम और पोस्टल वोटिंग काउंटर की व्यवस्था का जायजा लिया।

एमसीएमसी के दौरे के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधितों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित सभी प्लेटफार्मों पर डाले जा रहे चुनाव संबंधी पोस्टों पर कड़ी नजर रखने पर जोर दिया।

उन्होंने मिनी सचिवालय बांदीपुरा में स्थापित ईवीएम और सामग्री स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और अन्य चुनाव सामग्री सुरक्षित रूप से संग्रहीत की जाती हैं।

ईवीएम एवं सामग्री प्रबंधन की समीक्षा करते हुए डीईओ ने चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने मिनी सचिवालय बांदीपुरा में स्थापित डाक मतदान काउंटर की तैयारियों और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि डाक मतदान प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से चले, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र मतदाता को सुरक्षित और बिना किसी बाधा के अपना मत डालने का अवसर मिले।

चुनाव नियंत्रण कक्ष के दौरे के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अंतर–विभागीय समन्वय, चुनाव संबंधी सूचनाओं के समय पर प्रसार और कॉल पर जनता के प्रश्नों के त्वरित जवाब देने में चुनाव नियंत्रण कक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

डीएम ने जम्मू जिले से गोवंश के परिवहन पर रोक लगा दी है

जम्मूः जिला मजिस्ट्रेट जम्मू ने सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिया है कि गाय, भैंस, बैल, बछड़े आदि जैसे किसी भी गोजातीय जानवर को लिखित अनुमति के अलावा जम्मू से अन्य जिलों में नहीं ले जाया जाएगा। समय–समय पर डीएम कार्यालय द्वारा लगाई गई कुछ शर्तों के तहत जिला मजिस्ट्रेट जम्मू या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जम्मू से।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

आरओ ने 23 नामांकन पत्रों को स्वीकार किया, जांच के बाद 15 को खारिज कर दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूलाः बारामूला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद, रिटर्निंग ऑफिसर मिंगा शेरपा ने 23 नामांकनों को वैध माना है। सभी 38 नामांकन पत्रों की जांच के दौरान, 23 नामांकन वैध पाए गए, जिनमें दो महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं और उन्हें बारामूला संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए स्वीकार कर लिया गया।

15 उम्मीदवारों की उम्मीदवारी खारिज कर दी गई क्योंकि ईसीआई मानदंडों के अनुसार जांच प्रक्रिया के दौरान उनके नामांकन पत्र अवैध पाए गए।

उम्मीदवार 06 मई (सोमवार) को अपराह्न 03:00 बजे से पहले रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024: एडीसी हंदवाड़ा ने ड्रगमुल्ला में विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कुपवाड़ाः अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी), हंदवाड़ा, अजीज अहमद राथर, जो एआरओ एसी–5 हंदवाड़ा भी हैं, ने आज ब्लॉक ड्रगमुल्ला के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया, सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) का निरीक्षण किया और आगामी लोक सभा के लिए तैयारियों की समीक्षा की। सभा चुनाव.

निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी मतदान केंद्र मतदाताओं, विशेषकर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों। रैंप पहुंच, बिजली, जलापूर्ति, पेयजल और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। दौरे के दौरान, एआरओ ने मतदान केंद्र ड्रगमुल्ला, चायलपति, शतमुकम, ब्रामरी, शालपोरा, रेडबुघ और विभिन्न अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

एआरओ ने मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों पर जोर दिया ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता बिना किसी बाधा के चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सके।

एसपी कॉलेज ने प्रोफेसर मंजूर को भावभीनी विदाई दी वानी , प्रो.नियाज़ वानी , प्रो. राबिया अहमद और कौंसर किरमानी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः एसपी कॉलेज, श्रीनगर ने कॉलेज के तीन वरिष्ठ संकाय सदस्यों और एक गैर–शिक्षण कर्मचारी को गर्मजोशी से विदाई दी, जो 30 अप्रैल 2024 को अपनी सेवानिवृत्ति प्राप्त करेंगे।

सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों में प्रोफेसर मंजूर अहमद वानी , वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष; प्रोफेसर नियाज अहमद वानी , वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष; प्रोफेसर रबिया अहमद, अंग्रेजी और कौंसर विभागाध्यक्ष शामिल हैं। किरमानी , लैब. सहायक, जैव रसायन विभाग।

निदेशक कॉलेज, उच्च शिक्षा प्रोफेसर (डॉ.) यास्मीन आशाई , कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) जिलानी कुरैशी , प्रोफेसर (डॉ.) विलायत रिज़वी रजिस्ट्रार क्लस्टर यूनिवर्सिटी श्रीनगर, प्रोफेसर (डॉ.) शेख अजाज़ बशीर नोडल प्रिंसिपल कश्मीर डिवीजन कॉलेज, पूर्व प्रिंसिपल डॉ. परवीन पंडित , पूर्व निदेशक कॉलेज प्रोफेसर (डॉ.) यासीन अहमद शाह, पूर्व प्रिंसिपल प्रोफेसर बशीर अहमद शाह, पूर्व प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) खुर्शीद अहमद खान, प्रोफेसर (डॉ.) फौजिया प्रिंसिपल जीडीसी गांदरबल , प्रोफेसर (डॉ.) मोहम्मद फारूक मीर प्रिंसिपल जीडीसी महिला नावा कदल , प्रोफेसर एज़ाज़ रिज़वी प्रिंसिपल जीडीसी कुलगाम , प्रो. शाह–ए– जहाँ वानी प्रिंसिपल जीडीसी फ्रिसल , प्रोफेसर दीबा सरमंद डीन एकेडमिक्स सीयूएस, प्रोफेसर खुर्शीद कंट्रोलर सीयूएस, डॉ. नसीर शाह डीन साइंसेज सीयूएस, डॉ. मुश्ताक लोन, प्रोफेसर (डॉ.) सदफ प्रिंसिपल जीडीसी कंगन , प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रोफेसर मैराज – उद –दीन शेख, प्रोफेसर अफजल मीर, प्रोफेसर एमए लोन , प्रोफेसर नसीर फरहान , प्रो. बीए मीर, प्रो. शौकत ज़रगर , प्रोफेसर मुख्तार मलिक , डॉ. जुबैदा , प्रो. निघत हसन, प्रो. अंजुम काज़ी , प्रोफेसर रुबिया सुल्तान, प्रोफेसर नुसरत सैयद , डॉ. अब्दुल हई , प्रो. मुजाहिद अहमद, डॉ. निकहत नबी , विदाई समारोह में उपस्थित थे।

कॉलेज सभागार में आयोजित विदाई समारोह में कॉलेज के शिक्षण एवं गैर–शिक्षण स्टाफ ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) गुलाम जीलानी कुरैशी ने उन्हें उनकी सक्रिय सेवाओं के सफल समापन पर बधाई दी। उन्होंने उनके काम के प्रति उत्साह और समर्पण को भी रेखांकित किया।

डॉ. कुरैशी ने कहा कि एसपी कॉलेज, श्रीनगर के सम्मानित संकाय और कर्मचारी मिश्रित भावनाओं के साथ प्रोफेसर मंजूर को हार्दिक विदाई देते हैं। वनस्पति विज्ञान विभाग से प्रो. वानी , वनस्पति विज्ञान विभाग से प्रो. नियाज अहमद वानी और अंग्रेजी विभाग से प्रो. राबिया अहमद शामिल थे। डॉ. कुरैशी ने कहा कि इन प्रतिष्ठित शिक्षकों ने शैक्षणिक समुदाय में अमूल्य योगदान दिया है, अपने ज्ञान और शिक्षण के प्रति जुनून से छात्रों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। इसके अतिरिक्त, हम कौंसर की भी हार्दिक सराहना करते हैं किरमानी , एक समर्पित लैब असिस्टेंट, को उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद।

जैसे–जैसे हमारे शैक्षणिक परिवार के ये सम्मानित सदस्य नए प्रयासों की ओर आगे बढ़ेंगे, उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की बहुत कमी महसूस की जाएगी। एसपी कॉलेज के हॉल में उनकी विरासत युवा दिमागों को आकार देने और सीखने और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति उनके समर्पण के प्रमाण के रूप में बनी रहेगी। उन्होंने कहा, मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और विश्वास है कि वे अपनी सभी गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करते रहेंगे।

"भारी मन से हम प्रोफेसर मंजूर को विदाई दे रहे हैं वानी , वनस्पति विज्ञान विभाग के एक प्रतिष्ठित प्रमुख।

स्कूल सुरक्षा पर एक दिवसीय क्षेत्रीय स्तरीय अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम डोडा में आयोजित किया गया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

डोडाः समग्र के तहत स्कूल सुरक्षा पर एक दिवसीय जोनल स्तरीय प्रशिक्षण सह अभिविन्यास कार्यक्रम जोन भगवा और जोन डोडा के लिए आज यहां शिक्षा का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम जेडईओ कार्यालय भगवा और मुख्य शिक्षा कार्यालय डोडा के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया था ।

डोडा के भगवा और डोडा शैक्षिक क्षेत्रों के शिक्षकों ने अपने–अपने स्थानों पर कार्यक्रम में भाग लिया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन संबंधित क्षेत्रीय क्षेत्रों के क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को विभिन्न माध्यमों और उपायों के माध्यम से स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों के बीच जागरूकता पैदा करना था कि स्कूलों को छात्रों के लिए सुरक्षित क्षेत्र कैसे बनाया जाए और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को उजागर किया जाए।

शिक्षक तनवीर अहमद, बरिंदर सिंह, मोहसिन अनायत नटनू , मोहम्मद यूसुफ ने जुड़वां कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में काम किया । उन्होंने स्कूल आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसी भी प्रकार के खतरों से बचने के लिए स्कूलों में अपनाई जाने वाली सुरक्षा और एहतियाती उपायों पर भी प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों को जोनल शिक्षा अधिकारी भगवाह और डोडा द्वारा भागीदारी के प्रमाण पत्र भी दिए गए ।

कार्यक्रम के समापन पर , संबंधित क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम के सीखने के परिणामों को स्कूलों में अक्षरशः लागू करने का आग्रह किया ताकि लाभ छात्रों तक पहुंच सके।

सपना प्रभावी चुनावी जागरूकता अभियान के उपायों पर चर्चा के लिए कोतवाल अध्यक्षों की बैठक

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः नागरिकों को मतदान और चुनावी भागीदारी के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से एक प्रभावी जागरूकता अभियान की योजना बनाने के लिए, आज मुख्य निर्वाचन कार्यालय श्रीनगर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में मीडिया के लिए नोडल अधिकारी सपना ने की। कोतवाल ,. बैठक में मुख्य निर्वाचन कार्यालय, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और स्वीप से संबंधित अधिकारियों के अलावा एफएम रेडियो स्टेशनों के प्रतिनिधियों और मल्टीमीडिया विशेषज्ञों ने भाग लिया। लोकसभा चुनाव के लिए नागरिकों, विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के बीच चुनावी साक्षरता, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। सभा चुनाव.

सपना कोतवाल ने संबंधितों को चुनावी जागरूकता अभियान को गति देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नागरिकों को सशक्त बनाने में चुनावी साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। आधुनिक समय में न्यू मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया एक प्रभावी उपकरण है और उन्होंने इस माध्यम के प्रभावी उपयोग की मांग की।

लोक विधानसभा चुनाव-2024: श्रीनगर पीसी के लिए जनरल और पुलिस पर्यवेक्षकों ने शोपियां का दौरा किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

शोपियांः श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के लिए सामान्य पर्यवेक्षक (पीसी), मुकुल कुमार और पुलिस पर्यवेक्षक, संदीप सिंह चौहान ने आज शोपियां का दौरा किया , जहां उन्होंने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के चुनाव के संचालन के लिए प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की।

लोक की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए नोडल अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक की जिले में होने वाले विधानसभा चुनाव–2024 में अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी फैज उपस्थित थे लुल हसीब ; एसएसपी, तनुश्री ; एडीडीसी, डॉ.नासिर अहमद लोन, एआरओ शोपियां और अन्य नोडल अधिकारी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पीपीटी के माध्यम से स्वीप गतिविधियों, सामग्री प्रबंधन, जनशक्ति योजना, परिवहन योजना, ईवीएम प्रबंधन, प्रशिक्षण, मतदान केंद्रों और वितरण सह प्राप्ति केंद्रों (डीसीआरसी) पर व्यवस्थाओं और विधानसभा क्षेत्र में चुनावों के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए किए गए अन्य उपायों सहित व्यवस्थाओं का अवलोकन प्रदान किया।

नोडल अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए पर्यवेक्षकों ने मतदाता मतदान बढ़ाने के लिए कदम उठाने तथा लोकसभा चुनाव को घटना मुक्त और सुचारू रूप से संपन्न कराने पर जोर दिया। जिले में विधानसभा चुनाव.

बताया गया कि 13 मई को शोपियां विधानसभा क्षेत्र के 122 मतदान केंद्रों पर 99,245 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके अलावा, पर्यवेक्षकों ने मतदान कर्मचारियों के दूसरे रैंडमाइजेशन का भी निरीक्षण किया।

लोक विधानसभा चुनाव-2024: अनुकरणीय टीम प्रयास से गांदरबल में प्रेरक स्वीप अभियान को गति मिली

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गांदरबलः महिला मतदाता जागरूकता अभियान के पहले चार दिनों में मजबूत शुरुआत करते हुए, नामित टीमों ने 5369 घरों का दौरा करके और कुल 12206 महिला मतदाताओं को शामिल करके महत्वपूर्ण प्रगति की, जिससे निरंतर प्रयासों के लिए एक ठोस आधार तैयार हुआ। इस गति ने उल्लेखनीय अंतर्विभागीय समन्वय प्रदर्शित किया, जिसमें शिक्षा, आईसीडीएस और एनआरएलएम क्षेत्रों की 745 टीमें शामिल थीं, जिसमें 1849 उत्साही सदस्य अनुकरणीय समर्पण का प्रदर्शन कर रहे थे।

स्वीप कार्यक्रम के हिस्से के रूप में , इस अभिनव मिशन का लक्ष्य जिला गांदरबल में महिला मतदाताओं के बीच 100: जागरूकता लाना है , जिसका लक्ष्य लोक सभा में देखे गए पिछले मतदान प्रतिशत को पार करना है।

सभा चुनाव.

मिशन में शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एसएचजी सदस्य शामिल हैं जो घर–घर जाकर महिला मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के बारे में शिक्षित कर रहे हैं, जिसमें ईवीएम का उपयोग करने से लेकर प्रत्येक वोट के महत्व और समग्र विकास पर इसके प्रभाव को समझना शामिल है।

इस अभियान में नेतृत्व ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्लस्टर प्रमुखों ने अपनी टीमों के उत्साह और मनोबल को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से घर–घर जाकर दौरा किया है।

इस व्यावहारिक नेतृत्व को न केवल एक कर्तव्य के रूप में देखा जाता है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के रूप में भी देखा जाता है कि प्रत्येक महिला मतदाता को सूचित किया जाए और वह लो. कतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए तैयार हो।

हंसते हंस्ते - मतदाता जागरूकताः कश्मीरी लोक रंगमंच - बैंड पीथर और लादिशाह ने कुलगाम के हर कोने में मतदाता जागरूकता फैलाई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कुलगामः मतदाता जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उल्लेखनीय पहल में, जिला प्रशासन कुलगाम ने पारंपरिक कश्मीरी लोक रंगमंच, विशेष रूप से बैंड पेथर और लदीशाह के प्रसिद्ध रूपों का उपयोग करते हुए एक अभिनव दृष्टिकोण के माध्यम से आज जिले भर के मतदाताओं तक पहुंच बनाई। हेंस्टे श के बैनर तले हंसते – मतदाता जागरूकता,श यह पहल सफलतापूर्वक कुलगाम जिले के हर कोने में फैल गई है , जिससे लोगों में महत्वपूर्ण जानकारी और जागरूकता आई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) कुलगाम , अथर आमिर खान ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जागरूकता बढ़ाने और मतदाता मतदान में वृद्धि करने के लिए स्वीप के तहत जिले भर में विविध गतिविधियां आयोजित की गईं।

उन्होंने कहा कि चूंकि कश्मीरी लोक रंगमंच – बैंड पीथर और लाडीशाह लोगों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, इसलिए उन्होंने मतदाता जागरूकता फैलाने के लिए इस माध्यम का बड़े पैमाने पर उपयोग किया।

लोक विधानसभा चुनाव-2024: जीडीसी गंदेरबल ने स्वीप के तहत पैनल चर्चा और हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गंदेरबलः स्वीप कार्य योजना के तहत, सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) गंदेरबल की वाद–विवाद समिति ने राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से आज श्वोट फॉर पावर, वोट फॉर प्रोग्रेसरू द रूट अहेडश विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

वाद–विवाद समिति के संयोजक डॉ . वासिया द्वारा वोट के महत्व और मतदान की प्रक्रिया पर विचार–विमर्श के साथ हुई। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. नाज़नीन ने विस्तृत प्रस्तुति दी । कॉलेज की प्राचार्य प्रो. फौजिया फातिमा ने पैनल चर्चा की शुरुआत की और विषय के बारे में अपनी सकारात्मक राय व्यक्त की। कॉलेज के विभिन्न स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने चर्चा में भाग लिया और मतदान प्रक्रिया के महत्व और आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पैनल चर्चा ने उत्साही विचारों और विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया, जिससे प्रगति और सफलता के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त हुआ।

साइबर अपराध जांच उत्कृष्टता केंद्र, डीएचएसके ने साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल जोखिम पर वेबिनार आयोजित किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीआईसीई), क्राइम ब्रांच, जम्मू और कश्मीर ने आज साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन निवेश योजनाओं और डिजिटल जोखिमों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक उच्च स्तरीय वेबिनार का आयोजन किया।

वेबिनार का उद्देश्य साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाना और डॉक्टरों को आवश्यक ज्ञान से लैस करना था।

वेबिनार में विशेषज्ञ सुविधाकर्ता के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और प्रमुख सीआईसीई एम यासीन किचलू सहित प्रतिष्ठित वक्ता और विशेषज्ञ शामिल थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, किचलू ने पूरे सत्र में अमूल्य अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने भाग लेने वाले डॉक्टरों का ध्यान ऑनलाइन निवेश योजनाओं की ओर लगाया, इस अक्सर संदिग्ध परिदृश्य की जटिलताओं का विश्लेषण किया और उन्हें सूचित निवेश निर्णय लेने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि से लैस किया।

उन्होंने डिजिटल गिरफ्तारियों के कानूनी परिणामों की भी जांच की, चर्चा की कि कैसे व्यक्ति डिजिटल क्षेत्र में स्वयं को कानून के गलत पक्ष में पा सकते हैं तथा संभावित कानूनी जाल से स्वयं को बचाने के बारे में मार्गदर्शन दिया। कश्मीर के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. मुश्ताक अहमद राथर और पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के संरक्षक अशोक भान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि थे।

उनकी विशेषज्ञता और अनुभव ने चर्चाओं को महत्वपूर्ण गहराई दी, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने का अनुभव समृद्ध हुआ। प्रतिभागियों को उभरते साइबर खतरों, निवारक उपायों और साइबर अपराध से प्रभावी ढंग से निपटने की रणनीतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली। डीएचएसके के प्रवक्ता डॉ. मीर मुश्ताक ने अपने समापन भाषण में वेबिनार और डीएचएसके की ओर से बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

साइबर अपराध जांच उत्कृष्टता केंद्र साइबर सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने और उभरते साइबर खतरों से निपटने के लिए क्षमताओं का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहता है।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

स्वीप टीम राजौरी ने जीबीएचएसएस में जागरूकता कार्यक्रम, हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजौरी : जिला निर्वाचन अधिकारी ओम प्रकाश भगत के मार्गदर्शन में राजौरी की व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (स्वीप) टीम ने यहां सरकारी बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आयोजन नोडल अधिकारी स्वीप मोहम्मद इकबाल रैना द्वारा किया गया।

इसके बाद जी.बी.एच.एस.एस. के पिंक मतदान केन्द्र पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने दर्शकों का स्वागत किया। व्याख्याता एवं स्वीप टीम के सदस्य मोहम्मद अयाज रैना ने मतदाता जागरूकता एवं सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवा पात्र मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया तथा लो. कतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करना था।

मतदाताओं के रूप में पंजीकरण करने और नैतिक मतदान प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया गया। हस्ताक्षर अभियान ष्मैं बेहतर लोकतंत्र के लिए मतदान करने का वादा करता हूं ष् विषय पर आयोजित किया गया था। उपस्थित लोगों को नैतिक मतदान के लिए प्रतिबद्ध होने और चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी अवैध या अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्वीप टीम ने जनता को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने और वोट देने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

लोक विधानसभा चुनाव 2024

डीईओ, एसएसपी ने स्पोर्ट्स स्टेडियम बडगाम में स्वीप के तहत मेगा खेल आयोजन की अध्यक्षता की

13 मई 20 को अपना वोट देकर अपनी बड़ी जीत दर्ज करें: डीईओ ने बडगाम के युवाओं से कहा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बडगामः जिला प्रशासन बडगाम ने स्थानीय समाचार एजेंसी केएनएस के सहयोग से आज स्पोर्ट्स स्टेडियम बडगाम में स्वीप कार्यक्रम के तहत एक भव्य खेल कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) बडगाम अक्षय लाबरू; एसएसपी बडगाम निखिल बोरकर ने केएनएस क्रिकेट चौंपियनशिप फाइनल की अध्यक्षता की।

इस कार्यक्रम को सैकड़ों स्थानीय युवाओं और विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने देखा।

इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के बीच मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इस क्रिकेट चौंपियनशिप के आयोजन का उद्देश्य मताधिक. ार के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भाग लेने तथा 13 मई और 20 मई को श्रीनगर और बारामूला संसदीय क्षेत्र में होने वाले चुनावों में मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनावों में युवाओं की भागीदारी सरकार गठन के लिए महत्वपूर्ण है और उन्होंने युवाओं से अपनी लो. कतांत्रिक उपस्थिति दिखाने तथा बड़ी जीत दर्ज करने के लिए मतदान करने को कहा।

डीईओ ने युवाओं को खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने वाले कार्यक्रम के आयोजन के लिए केएनएस के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिभागियों और विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों को बधाई दी।

बाद में, डीईओ और एसएसपी ने भी प्रतिभागियों को सम्मानित किया और उनके बीच ट्रॉफी और नकद पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर डीवाईएसएसओ, डीआईओ, मुख्य संपादक केएनएस और अन्य संबंधित भी उपस्थित थे।

वाईएसएस गांदरबल विविध खेल गतिविधियों का आयोजन करता है

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गांदरबलः युवा सेवा और खेल विभाग गांदरबल ने एक सराहनीय प्रयास में जिले की जीवंत खेल संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए आज कई खेल गतिविधियों की मेजबानी की। जिला युवा सेवा और खेल अधिकारी (डीवाईएसएसओ) गांदरबल, शेख शफकत इकबाल के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में खो–खो, क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, वॉलीबॉल, शतरंज और कैरम में उत्साही प्रतियोगिताएं देखी गईं। तुल्लामुल्ला जोन में, लड़कों और लड़कियों दोनों ने फुटबॉल, बैडमिंटन और खो–खो में गहन मुकाबलों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन आयोजनों में छात्रों के उत्साह और भागीदारी ने युवाओं के भीतर खेल भावना की स्थायी भावना को रेखांकित किया। इस बीच, हरिगनीवन जोन में वॉलीबॉल, क्रिकेट, शतरंज और कैरम में रोमांचक मुकाबले हुए, जिसमें छात्रों में मौजूद विविध प्रतिभाओं को उजागर किया गया। प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह और दृढ़ संकल्प ने खेलों के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए जिले की प्रतिबद्धता को दर्शाया। इसके अलावा, अपने–अपने क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को उनके असाधारण प्रदर्शन और खेल कौशल के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान से न केवल उनकी उपलब्धियों को मान्यता मिली, बल्कि खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरणा भी मिली।

डीआईपीआर सांस्कृतिक इकाई ने नशा मुक्त भारत पर संगोष्ठी का आयोजन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : डीआईपीआर एवं जनसंपर्क विभाग, जम्मू की सांस्कृतिक इकाई ने आज राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीरपुर सांबा में ष्नशा मुक्त भारतष् विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इसका उद्देश्य अगली पीढ़ी को नशे की लत के खतरों के बारे में शिक्षित करना, युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों में शामिल करना था ताकि उन्हें इस खतरे का शिकार होने से बचाया जा सके।

विद्यार्थियों ने विचारोत्तेजक भाषण दिए तथा समाज से नशीली दवाओं के उन्मूलन के प्रभावी तरीकों और साधनों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

छात्रों का मूल्यांकन उच्चारण, आवाज में उतार–चढ़ाव, तथ्यात्मक प्रस्तुति, आत्मविश्वास आदि मानदंडों के आधार पर किया गया। इंदु मन्हास, रानो देवी और कंचन कुमारी इस दिन के निर्णायक थे। भारती चंदेल ने कार्यक्रम की मेजबानी की। प्रतियोगिता में कुल 10 छात्रों ने भाग लिया।

प्रथम स्थान जान्हवी, द्वितीय स्थान राजनंदनी तथा तृतीय स्थान उपलक्ष एवं भूमिका ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती अंजू ने छात्रों को विषय के बारे में शिक्षित किया और स्कूल में इस तरह के सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की सराहना की। अन्य लोगों के अलावा, संस्थान के स्टाफ सदस्यों और बड़ी संख्या में छात्रों ने कार्यक्रम देखा।

सचिव आरडीडी ने एईई रहमत शाह के निधन पर शोक व्यक्त किया, उरी में फतेहख्वानी में शामिल हुए

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

उरीः ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और पंचायती राज सचिव डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी ने शनिवार को ग्रामीण इंजीनियरिंग विंग (आरईडब्ल्यू) के सहायक कार्यकारी अभियंता सैयद रहमत शाह के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका सेवा के दौरान बीमारी के कारण श्रीनगर में निधन हो गया।

शाह, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक विभाग में अपनी सेवाएं दी थीं, वर्तमान में दक्षिण पूर्व आरईडब्ल्यू कश्मीर में तकनीकी अधिकारी के पद पर तैनात थे।

ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और पंचायती राज के सचिव डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी के साथ आरडीडी कश्मीर के निदेशक शब्बीर हुसैन भट, आरईडब्ल्यू कश्मीर के अधीक्षण अभियंता (एसई) इंजीनियर आमिर अली, आरईडब्ल्यू के कार्यकारी अभियंता, बारामुल्ला के सहायक आयुक्त विकास, खंड विकास अधिकारी, एईई आरईडब्ल्यू उरी और आरडीडी के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और अपनी संवेदना व्यक्त की और कमलकोट उरी में मृतक की फतेह ख्वानी में भाग लिया। डॉ. शाहिद ने परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि शाह की कमी आरडीडी समुदाय को बहुत खल रही है तथा विभाग में वर्षों तक उनके योगदान को कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव 2024: डीईओ गांदरबल ने विशेष मतदान केंद्रों की व्यवस्था की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गांदरबलः जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) गांदरबल, श्यामबीर ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए जिले भर में विशेष मतदान केंद्रों की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए आज एक बैठक बुलाई।

इन विशेष स्टेशनों में महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी), वरिष्ठ नागरिकों और नामित हरित मतदान केंद्रों के लिए विशेष बूथ शामिल हैं। बैठक के दौरान, डीईओ ने चुनाव के दिन निर्बाध मतदान अनुभव सुनिश्चित करने के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था और सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) के प्रावधान की गहन समीक्षा की। श्यामबीर ने अधिकारियों को मतदाता अनुभव और भागीदारी को बढ़ाने के लिए स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने और प्रत्येक विशेष मतदान केंद्र पर सख्त रंग कोडिंग लागू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, डीईओ ने आकर्षक स्वागत प्रविष्टियों और थीम–आधारित रंग कोडिंग के साथ मतदान केंद्रों पर एक आकर्षक माहौल बनाने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने सभी अधिकारियों और हितधारकों से चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के लिए समर्पण के साथ काम करने और इसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मुख्य सचिव ने क्लस्टर विश्वविद्यालयों जम्मू, श्रीनगर के मुद्दों का आकलन किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू और श्रीनगर के क्लस्टर विश्वविद्यालयों के कामकाज को बढ़ाने और उन्हें शैक्षिक नवाचार और उत्कृष्टता के प्रतीक में बदलने के लिए प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने और प्रभावी समाधानों की रणनीति बनाने पर विचार–विमर्श किया।

मुख्य सचिव ने दोनों क्लस्टर विश्व. विद्यालयों से संबंधित मुद्दों का आकलन करने के लिए यहां सिविल सचिवालय मंत आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इन संस्थानों का लक्ष्य न केवल क्षेत्र के भीतर उत्कृष्टता के प्रतिमान के रूप में उभरना है, बल्कि दोहराए जाने वाले मॉडल के रूप में भी उभरना है। देश भर में।

उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव आलोक कुमार, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के कुलपति प्रोफेसर बेचन लाल और क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर, प्रोफेसर कय्यूम हुसैन , महानिदेशक बजट, निदेशक कॉलेज और अन्य संबंधित लोग बैठक में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने क्लस्टर विश्व. विद्यालयों को व्यापक समर्थन देने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। अटल डुल्लू ने विश्व. विद्यालयों के कामकाज से संबंधित कई मुद्दा. की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें अन्य बाता. के साथ–साथ पदों का सृजन, उच्च शिक्षा विभाग से कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति के लिए नियमों का निर्माण और अन्य प्रशास. निक चिंताएं शामिल थीं। दोनों कुल. पतियों ने अपने सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें शिक्षण और गैर–शिक्षण पदों का निर्माण, संसाधन आवंटन और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरूआत शामिल है।

विचार–विमर्श के दौरान, वीसी सीयूएस ने विश्वविद्यालयों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने और जम्मू और कश्मीर में उच्च शिक्षा परिदृश्य को ऊपर उठाने की अनिवार्य आवश्यकता पर जोर दिया।

मंडलायुक्त जम्मू ने पेरनोट गांव का दौरा किया, भूमि धंसाव पीड़ितों से मुलाकात की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

रामबनः जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार ने आज परनोट भूमि धंसाव पीड़ितों के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थापित राहत शिविर का दौरा किया और वहां प्रभावित परिवारों से बातचीत की।

मंडलायुक्त ने आपदा के कारण क्षतिग्रस्त संपत्ति के आकलन, सड़क संपर्क की बहाली, सार्वजनिक उपयोगिताओं और बुनियादी ढांचे की भी समीक्षा की।

रामबन के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान , संभागीय आयुक्त ने आपदा स्थल पर हुए नुकसान का जायजा लिया और आपदा से प्रभावित लोगों की बातें सुनीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों को राहत, अस्थायी आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए उपायों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधितों को प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

प्रभावित परिवारों के मुद्दों और मांगा. को सुनते हुए मंडलायुक्त ने उनके पुनर्वास के लिए यूटी प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनके सभी मुद्दों को प्रशासन द्वारा संबोधित किया जाएगा और जिला प्रशासन ने पीड़ितों द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही एक व्यापक योजना का मसौदा तैयार कर लिया है।

मंडलायुक्त ने बताया कि सरकारी नियमों के अनुसार जल्द ही मुआवजा वितरित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल के निर्देश पर जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के लिए भूमि की पहचान कर रहा है।

आईआईटी जम्मू और जियोलॉजिकल सर्जरी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की टीमें पहले ही क्षेत्र का दौरा कर चुकी हैं और स्थिति का जायजा लेने के अलावा जमीन के धंसने के कारणों का विश्लेषण करने के लिए नमूने भी ले चुकी हैं।

रामबन के डिप्टी कमिश्नर बसीर–उल–हक ने कहा कि ... चौधरी ने मंडलायुक्त को जिला पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और स्थानीय लोगा. की मदद से जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए बचाव और पुनर्वास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

बताया गया कि प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक पहलुओं की सुविधा प्रदान करने के लिए एक व्यापक पुनर्वास योजना तैयार की गई है। उन्होंने आगे बताया कि पेरनोट में स्थिति की उच्चतम स्तर पर निगरानी की जा रही है और भूमि डूबने की घटना के पीड़ितों की सुविधा के लिए सभी उपाय किए गए हैं।

डिव कॉम ने लोगों से आग्रह किया कि वे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्जरी के विशेषज्ञों की टीम के सुझाव के अनुसार डूब क्षेत्र के पास न जाएं। सभी संबंधित विभागों को संबंधित विभागों द्वारा प्रभावित परिवारों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

बाद में, संभागीय आयुक्त ने डिगडोल–सुम्बर मार्ग का भी दौरा किया और रामबन–गूल मार्ग के बंद होने के बाद वैकल्पिक परिवहन समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वैकल्पिक मार्ग पेरनोट में भूमि धंसने से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद उप–मंडल गूल में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ।

रामबन के उपायुक्त भी मौजूद थे। बसीर–उल–हक चौधरी , एसएसपी, रामबन अनुज कुमार एवं अन्य अधिक. ारी उपस्थित थे।

लोक विधानसभा चुनाव–2024: सीईओ ने कुपवाड़ा का दौरा किया ; लोक सभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की सभा चुनाव

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामूला । सीईओ के साथ बारामूला के पुलिस पर्यवेक्षक भी थे लोक सभा क्षेत्र रविशंकर एवं अन्य संबंधित अधिकारी।

सीईओ ने नोडल अधिकारियों और एआरओ की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) आयुषी सूदन ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चुनाव तैयारियों के प्रमुख घटकों की विस्तृत योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आम चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी इंतजाम किये गये हैं।

आयुषी सूदन ने कहा कि जिले के 75 मतदान केंद्रों के लिए एक आकस्मिक और आपातकालीन निक. ासी और संचार योजना तैयार की गई है जो एलओसी के करीब ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित हैं।

सीईओ ने मतदान केंद्रों पर एएमएफ, वृक्षारोपण, प्रेषण और स्वागत केंद्रों, परिवहन योजना, मतदान कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और व्यवस्था, सामग्री प्रबंधन, जनश. क्ति, एसवीईईपी, एमसीसी, सामग्री प्रबंधन सहित चल रही चुनाव प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटकों की विस्तृत निर्वाचन क्षेत्रवार समीक्षा की। , विशेष मतदान केंद्र और मीडिया निगरानी।

मतदान केंद्रों पर पर्याप्त न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, सीईओ ने मतदाताओं के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से उपयोग करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वन विभाग और सामाजिक वानिकी को शामिल करके मतदान केंद्रों और खुले स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने को कहा। उन्होंने मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों पर अपेक्षित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

सीईओ ने स्वीप के तहत संचालित गतिविधियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित नोडल अधिकारी को जिले भर में मजबूत मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया ताकि जिले में उच्च मतदान सुनिश्चित किया जा सके।

नोडल अधिकारियों के साथ बात. चीत करते हुए सीईओ ने चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को बनाए रखने के लिए ईसीआई के दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करने और मीडिया की मजबूत निगरानी के महत्व को दोहराया। उन्होंने अधिका. रियों को अपने चुनाव कर्तव्यों का निर्वहन करते समय अनुकरणीय प्रतिबद्धता और ईमानदारी दिखाने का निर्देश दिया, स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी। उन्होंने दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों के लिए एक सेक्टर अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया, जहां यात्रा का समय अधिक है।

सीईओ ने चुनाव नियंत्रण कक्ष और मीडिया प्रमाणन, निगरानी समिति (एमसीएमसी) का दौरा किया और उनकी कार्यप्रणाली और गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली।

इसके बाद, सीईओ ने स्ट्रांग रूम का दौरा किया और ईवीएम की सुरक्षा, निगरानी एवं संरक्षा के लिए किए जा रहे प्रबंधों का निरीक्षण किया।

इससे पहले, सीईओ ने डीईओ कुपवाड़ा , आयशी सूदन के साथ टीआरसी कुपवाड़ा में स्वीप के तहत आयोजित एक मेगा लाइव आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने मतदाताओं के बीच जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयास में लाइव पेंटिंग, सुलेख, मेहंदी , कढ़ाई और मूर्तिकला बनाने के स्टॉल का निरीक्षण किया। विधानसभा चुनाव.

सीईओ ने युवा मतदाताओं से भी बातचीत की और उनसे आग्रह किया कि वे अपने रिश्तेदारों और मित्रों को अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने के

पुलिस ने गैंगस्टर, ड्रग तस्करों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू, 2 मईरू पुलिस ने जम्मू–कश्मीर के जम्मू और सांबा जिलों में एक गैंगस्टर और ड्रग तस्करों की करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क की है, अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने जिले के अखनूर इलाके में कुख्यात गैंगस्टर मुकेश कुमार उर्फ गेशा की करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।

उन्होंने कहा कि कुमार, जो लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे हैं, जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) वारंट का विषय बन गए हैं।

पीएसए वारंट के निष्पादन से बचने के उद्देश्य से उनकी टाल–मटोल की रणनीति नवीनतम पुलिस कार्रवाई के साथ समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि अखनूर उपमंडल में स्थित कुर्क की गई संपत्तियां गैंगस्टर की गलत कमाई के पर्याप्त सबूत के रूप में खड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि मुकेश कुमार की गिरफ्तारी से स्पष्ट संदेश जाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां न्याय के प्रति दृढ़ हैं। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में, कटरा तहसील के सेरवाड़ गांव के कथित मादक पदार्थ तस्कर मुनीश कुमार और उसके पिता प्रेम कुमार तस्करी के चार मामलों में शामिल थे और उनके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनरूप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यह संपत्ति आरोपियों द्वारा मादक पदार्थों और मनरूप्रभावी पदार्थों की अवैध तस्करी के जरिए अर्जित की गई थी।

सीईओ पोल ने बारामूला निर्वाचन क्षेत्र में केंद्र और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः जम्मू–कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पीके पोले ने शुक्रवार को बारामूला लोकसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

सीईओ के साथ निर्वाचन अधिक. ारी (आरओ) 1–बारामूला संसदीय क्षेत्र मिंगा शेरपा, पुलिस अधीक्षक, बारामूला आमोद अशोक नागापुरे, नोडल अधिकारी आदर्श आचार सं. हता (एमसीसी) सैयद कमर सज्जाद, सहायक निर्वाचन अधिक. ारी, सोपोर शब्बीर अहमद रैना, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अब रहमान भट और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम में सुचारू और पारदर्शी मतगणना प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सुविधाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। ”पीके पोल ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों का भी आकलन किया।

जम्मू लद्दाख विज़न

सोमवार, जम्मू, 6 मई, 2024

16

www.jammuladakhvision.com

उपराज्यपाल ने मेधावी छात्र सम्मान समारोह में भाग लिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

गाजीपुर, उत्तर प्रदेशः उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने डॉ. बीआर अंबेडकर इंटर कॉलेज, सादात, गाजीपुर में मेधावी छात्र सम्मान समारोह में भाग लिया। उन्होंने आदर्श समाज और शैक्षिक अनुसंधान के विचार पर एक संगोष्ठी को भी संबोधित किया।

अपने मुख्य भाषण में, उपराज्यपाल ने समावेशी विकास और समग्र प्रगतिशील नीति ढांचे पर विचारकों और शिक्षाविदों द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला, जिन्हें विभिन्न शैक्षिक शोध पत्रों में उद्धृत किया गया है और नागरिक–केंद्रित शासन के विचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

"गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक योगदान देने और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य के शासन की प्रगतिशील नीतियों को मजबूत करने के लिए तैयार करना है।

हमारी प्राचीन संस्कृति में एक आदर्श समाज के विचार और मूल्य, जिसे राम–राज्य भी कहा जाता है, समावेशी, प्रगतिशील और न्यायसंगत विकास के लिए समर्पित है। यह सभी नागरिकों के लिए अवसर और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है, "उपराज्यपाल ने कहा। उपराज्यपाल ने कहा कि एक आकांक्षी समाज अपने नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाता है और यह सभी क्षेत्रों में मजबूत विकास को प्रोत्साहित करता है। उपराज्यपाल ने मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया और उन्हें भविष्य में शैक्षणिक और बौद्धिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया।

डीएलएसए सांबा ने किशोर न्याय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सांबा : जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) सांबा ने आज ष्बच्चों का किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015ष और ष्नएएलएसए (बच्चों और उनके संरक्षण के लिए बाल मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवाएं) योजनाष पर एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 2015 कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों के लिए, जेजेबी सांबा, सीडब्ल्यूसी सांबा और डीसीपी यूनिट सांबा के सदस्य यहां जेजे बोर्ड के परिसर में।

यह महत्वपूर्ण आयोजन जेके लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के सक्षम तत्वावधान में और मई, 2024 के महीने के लिए जेएंडके लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (जेकेएलएसए) द्वारा जारी कार्य योजना के अनुसार और अदनान सईद के व्यावहारिक निर्देशों और समग्र पर्यवेक्षण के तहत आयोजित किया गया था। अध्यक्ष, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सांबा, (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सांबा भी) और सचिव जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, रेखा कपूर निश्चल। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएलएसए सांबा के अध्यक्ष अदनान सईद थे। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने नालसा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जिसमें बुनियादी अधिकारों और लाभों की रूपरेखा बताई गई है और प्रतिभागियों को नालसा बाल हितैषी योजना के तहत उपलब्ध बाल अधिकारों और उनकी सुरक्षा के बारे में जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में प्रीत सिमरन के ग्रोवर, सीजेएम सांबा, अनंत रैना, प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट, जेजेबी सांबा, नवाज शरीफ, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सांबा, नीमिशा राजपूत, अध्यक्ष, सीडब्ल्यूसी सांबा, हितेश शर्मा, कानूनी सहायता बचाव वकील, डीएलएसए सांबा, जेजेबी और सीडब्ल्यूसी सांबा के सदस्य, जेजेबी, सांबा के अभियोजन अधिकारी, डीएलएसए सांबा के कर्मचारी और पीएलवी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हितेश ने नालसा योजनाओं के साथ–साथ किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत उपलब्ध बाल अधिकारों पर चर्चा की।

सीडब्ल्यूसी सांबा की अध्यक्ष नीमिशा राजपूत ने उन सिद्धांतों पर भी बात की, जिन्हें जेजेबी और सीडब्ल्यूसी के सदस्यों को देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों और कानून के साथ संघर्ष में बच्चों के साथ व्यवहार करते समय ध्यान में रखना चाहिए।

इस अवसर पर रेखा कपूर निश्चल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि नवाज शरीफ ने औपचारिक स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन सुश्री तानिया परगल, कानूनी सहायता रक्षा वकील, सांबा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जागरूक करना था कि उनके लिए कौन से बुनियादी अधिकार और लाभ उपलब्ध हैं, देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों और कानून और सरकार के साथ संघर्ष में बच्चों के बीच अंतर को कम करने में कानूनी सेवा संस्थानों की भूमिका क्या है।

विभाग और बच्चों को बाल मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवाएं भी प्रदान करना। कार्यक्रम में उपस्थित कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों को हल्का जलपान भी परोसा गया।

जम्मू रेड क्रॉस सोसाइटी ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जिला रेड क्रॉस सोसाइटी ने अपने अध्यक्ष के रूप में उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य के नेतृत्व में आज यहां शिक्षक भवन में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण होने वाली सामाजिक और व्यक्तिगत हानियों पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त सचिन कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के स्थान पर खेलकूद व अन्य लाभकारी गतिविधियों के साथ स्वस्थ व सक्रिय जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया। परामर्श सत्र का नेतृत्व करते हुए, नशा निवारण की नोडल अधिकारी शिफाली गुप्ता ने विद्यार्थियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जाल में फंसने से बचने के तरीकों के बारे में शिक्षित किया। एडीसी अनसूया जम्वाल, जो जिला रेडक्रॉस सोसायटी की कार्यकारी सचिव भी हैं, ने बताया कि सोसायटी द्वारा 25 अप्रैल से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका समापन विश्व रेडक्रॉस दिवस (8 मई) को होगा। जीएमसी जम्मू के मनोचिकित्सा रजिस्ट्रार डॉ. प्रीति कौर, एसएचओ छन्नी हिम्मत इंस्पेक्टर सादिक और टीम मशवारा के संसाधन व्यक्तियों ने भी छात्रों को कुछ महत्वपूर्ण सबक दिए।

रामबन भूमि धंसावः मुख्य सचिव ने पीड़ितों के लिए किए गए राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगरः केंद्रीय गृह सचिव द्वारा रामबन जिले के पेरनोट गांव में भूमि धंसने के संबंध में की जाने वाली समीक्षा से पहले मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास के लिए प्रशासन द्वारा अब तक उठाए गए कदमों का जायजा लिया।

बैठक में एसीएस, जल शक्ति/एफसी राजस्व, एसीएस, वन, प्रमुख सचिव, गृह, डिवीजनल कमिश्नर, जम्मू, एडीजीपी, एल एंड ओ; सचिव, राजस्व, सचिव, डीएमआरआर एंड आर, डीसी, रामबन, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डुल्लू ने प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए संभागीय प्रशासन द्वारा शुरू किए जा रहे राहत उपायों के बारे में विस्तृत मूल्यांकन किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रभावितों को दी जा रही सहायता का जायजा लेने के साथ ही पीड़ितों के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित लोगों की आजीविका को हुए कुल नुकसान के बारे में पूछताछ की और दीर्घकालिक पुनर्वास उपाय करने को कहा। मुख्य सचिव ने जीएसआई के वैज्ञानिकों से भी बातचीत की, जिन्होंने इस प्राकृतिक आपदा के पीछे के वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए निवारक उपाय करने के लिए उनकी सिफारिशों के बारे में भी पूछा।

उन्होंने उनसे इस क्षेत्र में पहले हुई ऐतिहासिक घटनाओं के मद्देनजर इस क्षेत्र का विस्तृत विश्लेषण करने को कहा। उन्होंने इस क्षेत्र में मौजूद सभी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे जैसे ट्रांसमिशन टावर, रेलवे, जल वितरण नेटवर्क और सड़क मार्गों का व्यापक विश्लेषण करने का आह्वान किया ताकि अपेक्षित योजनाएं उसी के अनुसार बनाई जा सकें। डुल्लू ने गूल उप–मंडल को रामबन से जोड़ने वाले वैकल्पिक संपर्क की स्थिति की भी समीक्षा की तथा प्रभावित सेवाओं और उपयोगिताओं को युद्ध स्तर पर बहाल करने को कहा।

कश्मीर के लोगों के दिलों में कमल खिल रहा हैः रविंदर रैना

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : कुपवाड़ा , हंदवाड़ा , लोलाब , त्रिगाम और लेंगेट निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि कश्मीर के लोगों के दिलों में कमल खिल रहा है।

भाजपा जिला अध्यक्ष जाविद कुरैशी , पूर्व एमएलसी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सईद मो . रफीक शाह, पूर्व एसएसपी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सईद शब्बीर गिलानी , सभी निर्वाचन क्षेत्रों के अध्यक्ष भी इन बैठकों के दौरान पार्टी अध्यक्ष के साथ थे। रविंदर रैना ने कहा कि भाजपा प्रेम, विकास और शांति की राजनीति में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता देश और समाज की सेवा के लिए काम करता है और लोगों के लिए अच्छा करने का प्रयास करता है और पार्टी कश्मीर के लोगों का दिल जीतने में सफल रही है। रविंदर रैना ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य पर कई दशकों तक शासन करने वाली पार्टियों ने हड़ताल की कला को प्रचारित करके , लोगों को हड़ताल और पथराव का कैलेंडर देकर निर्दोष लोगों के जीवन को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को विकास का तोहफा देने के बजाय इन पार्टियों ने खुलेआम अलगाववाद का समर्थन किया और राज्य के युवाओं को प्रायोजित आतंकवाद की अंधेरी रात में धकेल दिया।

रविंदर रैना ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भाजपा... मोदी ने बड़े विकास कार्यों की शुरुआत की, पुराने कार्यों को पूरा किया और दूरदर्शी विकास के लिए रास्ता बनाया, साथ ही निजी क्षेत्रों में बड़े निवेश का स्वागत किया।

58 हजार नकदी व चरस के साथ चार युवक गिरफ्तार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजौरी। राजौरी जिला के नौशहरा क्षेत्र में पुलिस ने हजारों रुपए की नकदी और चरस जैसे पदार्थ की खेप के साथ चार युवकों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है।

एसडीपीओ नौशेरा की देखरेख में पुलिस थाना प्रभारी नौशेरा के नेतृत्व में पुलिस थाना नौशहरा की एक पुलिस टीम बरेरी गांव में गश्त कर रही थी, गश्ती दल को देखकर संदिग्ध युवक भागने की कोशिश करने लगे। युवकों का संदिग्ध व्यवहार देख गश्ती दल ने चारों को पकड़ लिया। और पूछताछ के दौरान उन्होंने अपनी पहचान

सुनील कुमार पुत्र प्रीतम दास निवासी बरेरी, गगनदीप शर्मा पुत्र मंगत राम निवासी वार्ड नंबर 9 नौशहरा, संदीप चंदन पुत्र खेमराज निवासी दबड़ व कृष्णा भसीन पुत्र रमन भसीन निवासी नौशहरा राजौरी बताई।

स्वामित्व,प्रकाशक एवम् मुद्रक संजीव कुमार मनमोत्रा द्वारा जन संपर्क प्रिंटिंग प्रेस सिधरा, जम्मू से मुद्रित करवाकर तथा अटल विहार हेरिटेज स्कूल सैनिक कॉलोनी जम्मू से प्रकाशित किया गया संपादक : संजीव कुमार मनमोत्रा, मोबाइल न : 9419141189, ईमेल : editorjammuladakhvision1@gmail.com